सच्ची बात, पाठकों के साथ
नागपुर, बुधवार 14 मई 2025
@ www.rashtrabaan.in
। पृष्ठ :8 । वर्ष :2 । अंक : 196। मूल्य:₹ 5

राष्ट्रबान

मध्य भारत का लोकप्रिय दैनिक

।। धर्मो रक्षति रक्षितः।।

' पाक की गुहार के बाद सैन्य कार्रवाई सिर्फ स्थगित ': आदमपुर में गरजे पीएम मोदी

फिर हमला हुआ तो मुंहतोड़ जवाब देंगे

नई दिल्ली. ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को आदमपुर एयरबेस का दौरा कर एयर वॉरियर्स से मुलाकात की और उनका हौसला बढ़ाया. पीएम मोदी ने आदमपुर जाकर पाकिस्तान के झूठ का भी पर्दाफाश किया है, क्योंकि यह वही एयरबेस है जिसे पाकिस्तान ने निशाना बनाने का झूठा दावा किया था. इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि देश की सेनाओं ने अपने पराक्रम का शानदार परिचय दिया है और अब ऑपरेशन सिंदूर ही भारत का न्यू नॉर्मल है. पीएम मोदी ने कहा कि पाकिस्तान की तरफ से गुहार लगाने के बाद भारत ने अपनी सैन्य कार्रवाई को सिर्फ स्थगित किया है, अगर पाकिस्तान ने फिर से सैन्य दुस्साहस या आतंकी गतिविधि दिखाई तो हम मुंहतोड़ जवाब देंगे. यह जवाब हम अपनी शर्तों पर देंगे. इस फैसले के पीछे का विश्वास आप सबका शौर्य, साहस और सजगता है. इस जज्बे को बरकरार रखते हुए हमें लगातार सजग रहना है.

पीएम मोदी ने कहा कि आतंक के खिलाफ भारत की लक्ष्मण रेखा अब एकदम साफ है. अब फिर कोई आतंकी हमला हुआ तो भारत जवाब देगा, पक्का जवाब देगा. उन्होंने कहा कि यह हमने सर्जिकल स्ट्राइक के समय देखा है, एयर स्ट्राइक के समय देखा है, और अब तो ऑपरेशन सिंदूर भारत का न्यू नॉर्मल है. उन्होंने कहा कि भारत ने अब तीन सूत्र तय कर दिया हैं.

भारत ने तय किए 3 सूत्र

पहला अगर भारत पर आतंकी हमला हुआ तो अपने तरीके से, अपनी शर्तों पर, अपने समय पर जवाब देंगे.

दूसरा कोई भी न्यूक्लियर ब्लैकमेल भारत नहीं सहेगा.

तीसरा हम आतंक की सरपरस्त सरकार और आतंक के आकाओं को अलग-अलग नहीं देखते.

तीनों सेनाओं का शानदार तालमेल

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दुनिया भी भारत के इस नए रूप और व्यवस्था को समझते हुए आगे बढ़ रही है. उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर का एक-एक पल भारत की सेनाओं के सामर्थ्य की गवाही देता है. इस दौरान हमारी सेना का तालमेल वाकई में शानदार था. उन्होंने कहा कि आर्मी, नेवी या एयर फोर्स सबका तालमेल जबरदस्त था. नेवी ने समंदर पर अपना दबदबा बनाया. सेना ने बॉर्डर पर मजबूती ली और भारतीय वायुसेना ने अटैक भी किया और डिफेंड भी किया. इसके अलावा बीएसएफ और दूसरे बलों ने भी अद्भुत क्षमताओं का प्रदर्शन किया है.

वायुसेना के जवानों के साथ पीएम मोदी

पीएम मोदी ने पाकिस्तान को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि हमारे ड्रोन, हमारी मिसाइलें- इनके बारे में सोचनेभर से ही पाकिस्तान की कई दिनों तक नींद उड़ जाएगी. उन्होंने कहा कि भारत बुद्ध की भी धरती है और गुरु गोबिंद सिंह जी की धरती है. गुरु गोबिंद सिंह जी ने कहा था- 'सवा लाख से एक लड़ाऊं, चिड़ियन ते मैं बाज तुड़ाऊं, तबै गुरु गोबिंद सिंह नाम कहाऊं. अधर्म के नाश और धर्म की स्थापना के लिए शस्त्र उठाना हमारी परंपरा रही है. इसीलिए जब हमारी बहन-बेटियों का सिंदूर छीना गया, तो हमने आतंकियों के फन को उनके घर में घुसकर कुचल दिया.

भारत की तरफ नजर उठाने पर विनाश होगा

उन्होंने कहा कि वो कायरों की तरह छिपकर आए थे, लेकिन वो भूल गए कि उन्होंने जिसे ललकारा है वो हिंद की सेना है. आपने उन्हें सामने से हमला करके मारा है. आपने आतंक के तमाम बड़े ठिकानों को मिट्टी में मिला दिया. 9 आतंकी ठिकाने बर्बाद कर दिए, 100 से ज्यादा आतंकियों को ढेर कर दिया. आतंक के आकाओं को अब समझ आ गया है कि भारत की ओर नजर उठाने का अब एक ही अंजाम होगा- तबाही. भारत में बेकसूर लोगों का खून बहाने का एक ही अंजाम होगा - विनाश और महाविनाश.पीएम मोदी सुबह 7 बजे के करीब पालम हवाई अड्डे से वायुसेना के विमान से पंजाब के आदमपुर एयरबेस पहुंचे थे. इस दौरे को सुरक्षा कारणों से सीक्रेट रखा गया था और पहले कुछ तस्वीरें ही सामने आई थीं, जिनमें पीएम मोदी को जवानों के साथ बातचीत करते हुए देखा जा सकता है. इस दौरान पीएम ने न सिर्फ एयर वॉरियर्स और टेक्निकल स्टाफ से मुलाकात की, बल्कि उन लोगों को संबोधित भी किया.

'PoK को खाली करे पाक तीसरा पक्ष दखल न दे'

नई दिल्ली. भारत सरकार ने स्पष्ट किया है कि जम्मू-कश्मीर से जुड़ा कोई भी मुद्दा केवल भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय तरीके से सुलझाया जाएगा, किसी तीसरे पक्ष की इसमें कोई भूमिका नहीं होगी. मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पाकिस्तान को अवैध रूप से कब्जा किए गए कश्मीर (PoK) को खाली करना ही होगा. उन्होंने यह भी दोहराया कि भारत की यह नीति लंबे समय से रही है और इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ है. विदेश मंत्रालय ने यह भी बताया कि 10 मई को भारत और पाकिस्तान के डीजीएमओ के बीच बातचीत के बाद संघर्षविराम पर सहमति बनी थी. पाकिस्तान की ओर से इस बातचीत के लिए अनुरोध उसी दिन सुबह 12:37 बजे किया गया था, क्योंकि तकनीकी कारणों से वे हॉटलाइन के माध्यम से भारत से संपर्क नहीं कर पा रहे थे. इसके बाद भारतीय डीजीएमओ की उपलब्धता के आधार पर 15:35 बजे कॉल तय की गई.

कश्मीर मुद्दे पर भारत की दो टूक

'मजबूरी में पाकिस्तान ने किया सीजफायर का अनुरोध'

भारत ने साफ किया कि यह पाकिस्तान की मजबूरी थी, क्योंकि उसी दिन सुबह भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के प्रमुख एयरफोर्स ठिकानों पर अत्यधिक प्रभावी हमले किए थे. विदेश मंत्रालय ने कहा, 'यह भारतीय सैन्य बल की ताकत थी जिसने पाकिस्तान को गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने के लिए मजबूर किया.' विदेश मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि अन्य देशों के साथ बातचीत में भारत ने एक ही संदेश दिया कि वह 22 अप्रैल के आतंकी हमले के जवाब में केवल आतंकवादी ढांचे को निशाना बना रहा है. यदि पाकिस्तानी सेना गोली चलाएगी, तो भारतीय सेना भी जवाब देगी. लेकिन अगर पाकिस्तान रुकेगा, तो भारत भी रुकेगा. यही संदेश पाकिस्तान को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू होते समय भी दिया गया था, जिसे उस समय उन्होंने अनदेखा कर दिया.

फास्ट ट्रैक

भारत का PAK पर सख्त एक्शन

नई दिल्ली. भारत ने नई दिल्ली स्थित स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग में कार्यरत वहां के एक अधिकारी को पर्सोना नॉन ग्राटा घोषित कर दिया है और उससे 24 घंटे में देश छोड़ने के लिए कहा है. भारत ने यह कार्रवाई पाकिस्तानी अधिकारी के अपने कार्यक्षेत्र के इतर अन्य तरह की संदिग्ध गतिविधियों में शामिल होने के कारण की है. पाकिस्तान उच्चायोग के प्रभारी को भारत ने आज इस संबंध में एक डिमार्शे (कूटनीति में दूसरे देश के खिलाफ उठाया गया कदम) जारी किया और उनसे उपरोक्त अधिकारी को 24 घंटे के भीतर देश से बाहर भेजने के लिए कहा. हालांकि, सरकार द्वारा पाकिस्तानी अधिकारी की पहचान और वह किन तरह की संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्त था, इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई. विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया, 'भारत सरकार ने नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग में कार्यरत एक पाकिस्तानी अधिकारी को भारत में उसकी आधिकारिक स्थिति के अनुरूप नहीं होने वाली गतिविधियों में संलिप्त होने के कारण अवांछित व्यक्ति घोषित किया है.

बेटियों ने फिर बाजी मारी लातूर के सिर सजा ताज

SCC कक्षा 10वीं के नतीजे घोषित,

पुणे. महाराष्ट्र स्टेट बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एंड हायर सेकेंडरी एजुकेशन (MSBSHSE) ने SCC यानी कक्षा 10वीं के नतीजे घोषित कर दिए हैं. पुणे के चेयरमैन शरद गोसावी ने बोर्ड के हेडक्वार्टर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में रिजल्ट की घोषणा की. महाराष्ट्र एसएससी रिजल्ट में कुल पास प्रतिशत 94.10% दर्ज किया गया है. इस बार लड़कों का पास प्रतिशत 92.31% जबकि लड़कियों का 96.14% रहा है. इस बार के रिजल्ट में लड़कियां, लड़कों से 3.83% आगे रहीं. इस साल, कोंकण 98.82% के साथ सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला जिला बना है. इस बार गडचिरोली जिले का प्रदर्शन महाराष्ट्र SSC रिजल्ट में सबसे कम 82.67% पास प्रतिशत रहा. एक मामले में लातूर ने मुंबई और पुणे दोनों को पीछे छोड़ दिया है. दरअसल कई जिलों के छात्रों ने 100% अंक प्राप्त किए हैं और कुल मिलाकर 211 छात्र ऐसे हैं, जिनका परफेक्ट 100 स्कोर हासिल किया है. इसमें सबसे ज्यादा 113 छात्र लातूर से हैं. इसके बाद छत्रपति संभाजीनगर से 40, पुणे के 13, अमरावती में 11, कोल्हापुर के 12, कोंकण में 9, मुंबई के 8, नागपुर में 3 और नासिक से 2 छात्र शामिल हैं.

महाराष्ट्र बोर्ड ने SSC परीक्षा 2025 के लिए जिलेवार परफॉरमेंस भी जारी कर दिया है. रिजल्ट में टॉप जिलों का पास प्रतिशत इस प्रकार है:

- कोंकण: 98.82%
- कोल्हापुर: 96.87%
- मुंबई: 95.84%
- पुणे: 94.81%
- नासिक: 93.04%
- अमरावती: 92.95%
- छत्रपति संभाजीनगर: 92.82%
- लातूर: 92.77%
- नागपुर: 90.78%

हमने आतंकवाद से सारे रिश्ते तोड़ दिए

PM मोदी की चेतावनी से घबराकर बोला पाक

इस्लामाबाद. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 12 मई को रात 8 बजे राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में स्पष्ट किया था कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर को सिर्फ स्थगित किया है, स्थायी रूप से रोका नहीं है. उन्होंने कहा था कि हमने पाकिस्तान के आतंकी और सैन्य ठिकानों पर अपनी जवाबी कार्रवाई को अभी सिर्फ स्थगित किया है. आने वाले दिनों में, हम पाकिस्तान के हर कदम को इस कसौटी पर मापेंगे, कि वह क्या रवैया अपनाता है. अगर उसने फिर से कोई दुस्साहस किया, तो भारत की तीनों सेनाएं मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार हैं. पीएम मोदी

के इस बयान पर अब पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया सामने आई है. पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारत की कार्रवाई ने आक्रामकता की एक खतरनाक मिसाल कायम की है, जिससे पूरा क्षेत्र आपदा के कगार पर पहुंच गया है. उसने प्रधानमंत्री मोदी के बयानों को भड़काऊ ताया है. पाकिस्तान ने कहा है कि ऐसे समय में जब क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रयास किए जा रहे हैं, भारत के प्रधानमंत्री आक्रामक बयानबाजी करके अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन कर रहे हैं.

पंजाब के आदमपुर एयरबेस से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दी गई जोरदार चेतावनी से पाकिस्तान घबरा गया है. उसके रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बयान दिया है कि हमने आतंकवाद से सभी संबंध तोड़ दिए हैं. ख्वाजा आसिफ के इस बयान को विशेषज्ञ पाकिस्तान की गिरती वैश्विक छवि को बचाने के लिए एक हताश प्रयास के रूप में देखते हैं.

'घर में घुसकर मारेंगे': पीएम मोदी का सख्त संदेश

आदमपुर स्थित भारतीय वायुसेना स्टेशन पर प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश दिया कि भारत सदैव शांति के पक्ष में है, लेकिन यदि उकसाया गया तो दुश्मन को धूल चटाने की क्षमता रखता है. उन्होंने कहा कि आतंक के आकाओं को अब समझ आ गया है कि भारत की ओर नजर उठाने का अब एक ही अंजाम होगा- तबाही. भारत में निर्दोष लोगों का खून बहाने का एक ही अंजाम होगा- विनाश और महाविनाश. पंजाब के आदमपुर एयरबेस में इंडियन एयर फोर्स के वायु योद्धाओं को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'जिस पाकिस्तानी सेना के भरोसे ये आतंकवादी बैठे थे, भारतीय सेना, भारत की वायु सेना और भारतीयों ने उस पाकिस्तानी सेना को भी धूल चटा दी है. भारत की सेनाओं ने पाकिस्तानी सेना को यह भी दिखा दिया है कि पाकिस्तान में अब कोई जगह नहीं बची है जहां आतंकवादी बैठकर चैन की सांस ले सकें. हम घर में घुसकर मारेंगे और बचने का एक मौका तक नहीं देंगे.'

अमृतसर में जहरीली शराब से 17 लोगों की मौत

मुख्य आरोपी सहित 7 गिरफ्तार

चंडीगढ़/अमृतसर. पंजाब के अमृतसर जिले में जहरीली शराब पीने से 17 लोगों की मौत हो गई है. इसके साथ ही 3 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है. सभी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. इस मामले में भारतीय न्याय संहिता और आबकारी

अधिनियम के तहत केस दर्ज करके पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. गिरफ्तार किए गए सात लोगों में से पांच की पहचान मुख्य आरोपी प्रभजीत सिंह, कुलबीर सिंह, साहिब सिंह, गुरजंत सिंह और निंदर कौर के रूप में हुई है. आरोपियों से हिरासत में पूछताछ की जा रही है. इस मामले पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि मजीठा के गांवों में निर्दोष लोगों की मौत के लिए जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा. उन्होंने एक एक्स पोस्ट में कहा, रमजीठा के आसपास के गांवों में जहरीली शराब पीने से कई लोगों की मौत की दुखद ख़बर मिली है.

मुंबई जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट बम की अफवाह से हुई लेट

कोलकाता. कोलकाता एयरपोर्ट पर एक विमान में बम की अफवाह से हड़कंप मच गया. मुंबई जाने वाली IndiGo की फ्लाइट को रोकना पड़ा. इस मामले में सुरक्षा अधिकारियों ने एक यात्री को हिरासत में ले लिया है. यह घटना मंगलवार दोपहर को हुई. 26 साल का संदिग्ध यात्री इंफाल से मुंबई जा रहा था. उसे कोलकाता में विमान

बदलना था. विमान बदलने से पहले सुरक्षा जांच हो रही थी. तभी उसने बम के बारे में कुछ कहा. एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (AAI) के एक अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा तुरंत बढ़ा दी गई.

आयोजन तिरंगा यात्रा के साथ सैनिकों की सुरक्षा के लिए वैदिक अनुष्ठान

गोवा में देशभक्ति और आस्था का संगम...

पणजी. देश में चल रही भाजपा की तिरंगा यात्रा केवल एक राजनीतिक अभियान नहीं, बल्कि यह भारतीय सेना के प्रति जनसमर्पण और एकजुटता की अद्वितीय मिसाल बनती जा रही है. इस राष्ट्रभक्ति की लहर को एक अलग ही ऊंचाई मिली है गोवा में, जहां राज्य के स्वास्थ्य मंत्री विष्वजीत राणे ने इस यात्रा को आध्यात्मिक आयाम प्रदान करते हुए सेना की सुरक्षा और कल्याण के लिए 'अत्यति रुद्र अनुष्ठान' का आयोजन किया.

ऑपरेशन सिंदूर की पृष्ठभूमि में इस अनुष्ठान का महत्व: हाल ही में भारतीय सेना द्वारा कंट्रोल लाइन पर ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया गया, जिसमें कई आतंकी ठिकानों को

नेस्तनाबूद किया गया. इस सफलता के बावजूद सोशल मीडिया पर पाकिस्तान समर्थित अफवाहें फैलाए गए जैसे कि आदमपुर एयरबेस पर हमला हुआ. इन अफवाहों का खंडन स्वयं प्रधानमंत्री मोदी ने स्थल पर जाकर किया, जो बताता है कि यह केवल सीमा पर युद्ध नहीं, बल्कि सूचना युद्ध भी है. इसी मनोवैज्ञानिक युद्ध से निपटने के लिए भाजपा ने तिरंगा यात्रा का शुभारंभ किया, जो अब केवल एक रैली न रहकर राष्ट्रव्यापी जनजागरण अभियान बन चुका है. गोवा में इस अभियान को आध्यात्मिक ऊर्जा से जोड़कर और भी सार्थक बना दिया गया है.

गोवा में तिरंगा यात्रा: प्रतीक से संकल्प तक: गोवा की तिरंगा यात्रा केवल झंडे और नारे तक सीमित नहीं रही. यह अभियान एक सामाजिक और सांस्कृतिक एकजुटता का प्रतीक बन गया, जहां तिरंगा केवल एक झंडा नहीं, बल्कि देश की रक्षा, श्रद्धा और सत्य का साझा संकल्प बन गया.

क्या है अत्यति रुद्र अनुष्ठान?

यह वैदिक अनुष्ठान, प्राचीन हिन्दू परंपराओं पर आधारित एक शक्तिशाली यज्ञ है, जो शांति, सुरक्षा और संकट निवारण के लिए किया जाता है. इसमें 11 अथवा उससे अधिक रुद्र पाठकों द्वारा मंत्रोच्चारण किया जाता है, जिनका उद्देश्य है आध्यात्मिक ऊर्जा उत्पन्न करना और देश की सीमाओं की रक्षा कर रहे जवानों को मानसिक और आध्यात्मिक शक्ति प्रदान करना.

मंत्री राणे की भावना और बयान

इस अवसर पर विष्वजीत राणे ने कहा, यह अनुष्ठान केवल धार्मिक नहीं, बल्कि एक सामूहिक संकल्प का प्रतीक है. हमें राजनीति से ऊपर उठकर देश के रक्षकों के लिए मन, वचन और कर्म से समर्थन देना चाहिए. यह आयोजन हमारी सेनाओं को समर्पित ऊर्जा और आशीर्वाद का प्रतीक है.

नहीं चल रहे फोनपे-पेटीएम?

ऑनलाइन पेमेंट में रुकावट से खिसियाए लोग -याद आया कैश का जमाना

नई दिल्ली. देशभर में बड़ी संख्या में फोनपे और पेटीएम यूजर्स ऑनलाइन पेमेंट में शिकायत कर रहे हैं. यह समस्या सोमवार रात से आ रही है और मंगलवार सुबह भी कई लोगों ने बताया है कि ऑनलाइन पेमेंट नहीं हो पा रहा. कुछ लोग इसे यूपीआई की दिक्कत बता रहे हैं. हालांकि बैंकों के यूपीआई पेमेंट में कोई रुकावट नहीं है. आउटेज को रिपोर्ट करने वाली वेबसाइट डाउनडिटेक्टर ने भी बताया है कि कई लोगों को यूपीआई पेमेंट में दिक्कतें हैं. सोमवार रात बड़ी संख्या में आउटेज रिपोर्ट किया गया. शाम साढ़े 7 बजे यह पीक पर पहुंच गया था. लोगों को सबसे ज्यादा दिक्कत पैसे ट्रांसफर करने और पेमेंट करने में हुई. सोशल मीडिया पर निकल रहा गुस्सा तकनीकी दिक्कत से खिसियाए लोग अब कैश को याद कर रहे हैं. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक यूजर ने लिखा कि लोगों को बैकअप के तौर पर जेब में कैश जरूर रखना चाहिए. यह भी सलाह दी कि पेमेंट फेल होने पर बार-बार ट्रांजैक्शन करने से बचना चाहिए. यूजर ने दावा किया कि और भी लोग भी ऑनलाइन पेमेंट फेल होन की शिकायत कर रहे हैं. एक अन्य यूजर ने लिखा कि सिर्फ थर्ड पार्टी ऐप्स जैसे फोनपे और पेटीएम डाउन हैं.

अभी भी जारी है समस्या?

मंगलवार सुबह से कई लोग ऑनलाइन पेमेंट में रुकावट की कंप्लेंट कर रहे हैं. हालांकि यह समस्या एनपीसीआई की तरफ से नहीं है. फोनपे की तरफ से एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया गया है कि PhonePe ने अपने नेटवर्क फायरवॉल पर साइबर सुरक्षा उपायों को बढ़ाने के लिए काम शुरू किया, लेकिन सोमवार शाम पीक ट्रैफिक की वजह से नेटवर्क क्षमता की कमी आई और ट्रांजैक्शंस फेल होने लगे. कंपनी ने कहा है कि समस्या को ठीक कर लिया गया है. कंपनी ने अपने सिस्टम को और मजबूत करने का आश्वासन लोगों को दिया है. पेटीएम ट्रांजैक्शन फेल होने पर अभी कोई जानकारी नहीं आई है.

संपादकीय

भारत ने चीनी हथियारों की क्षमता की खोल दी पोल

अमेरिका और दूसरे देशों से उठ रहे आर्थिक और कूटनीतिक विरोध को देखते हुए चीन भारत के खिलाफ कोई सैनिक कदम उठाने की गलती नहीं करता. 1962 में कमजोर और अपनी रक्षा के प्रति एकदम उदासीन भारत पर हमले के बाद से चीन ने अपने हर हमले में मार खाई है. जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकियों द्वारा 26 लोगों की उनका मजहब पूछकर हत्या के बाद भारत की सेनाओं ने पाकिस्तान पर हवाई हमले कर पहले उसके 9 आतंकी अड्डे नष्ट किए और फिर जब उसने शर्मिंदगी से बचने के लिए पलटवार करने की कोशिश की तो उसके सैन्य ठिकाने बुरी तरह तबाह कर दिए. भारत ने अपने हवाई हमलों से जब यह दिखाया कि वह उसकी सैन्य शक्ति को पंगु कर सकता है तब उसके हौसले पस्त हुए, जिसके नतीजे में सैन्य टकराव थामने पर सहमति बनी. पाकिस्तान ने भारत के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की अपनी नाकाम कोशिश के दौरान चीन से हासिल मिसाइलों, युद्धक विमानों और अन्य हथियारों का इस्तेमाल किया. एक तरह से चीन की परोक्ष भूमिका साफ तौर पर रेखांकित हो गई. पहलगाम की आतंकी घटना के बाद पहले तो चीन ने अपने परंपरागत अंदाज में पाकिस्तान का परोक्ष और अपरोक्ष समर्थन करने के बावजूद खुद को एक तटस्थ और शांतिप्रिय पंच की तरह पेश करने की कोशिश की, लेकिन फिर उसने पाकिस्तान की साख बचाने के इरादे से पहलगाम हमले की कथित निष्पक्ष जांच कराने की पाकिस्तानी मांग को दोहरा दिया. इतना ही नहीं, उसने सुरक्षा परिषद में इस आतंकी घटना की निंदा वाले अमेरिकी प्रस्ताव में से हमले के असली जिम्मेदार और पाकिस्तान सरकार की सरपरस्ती में चलने वाले लश्कर-ए-तैयबा के सहयोगी संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' का नाम हटवा दिया. इससे पहले भी कुख्यात आतंकियों को वैश्विक पाबंदियों से बचाने की नाकाम, लेकिन बेशर्मी भरी कोशिश कर चुका है. भारत-पाकिस्तान सैन्य टकराव के दौरान चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के नियंत्रण में चलने वाला सरकारी मीडिया भी लगातार पाकिस्तान के पक्ष में थोथा प्रचार अभियान चलाता रहा. उसके अंग्रेजी समाचार पत्र ग्लोबल-टाइम्स ने भारत की सैनिक कार्रवाई पर कहा कि भारत को अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करना चाहिए. उसे कौन याद दिलाए कि जब कोविड के फैलाव के पीछे उसकी भूमिका की जांच के लिए आस्ट्रेलिया सरकार ने मांग की थी तो उसने उस पर व्यापारिक प्रतिबंध लगा दिए थे.ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के साथ खड़े रहने के बावजूद उसने खुद को भारत-पाकिस्तान टकराव में खुद को तटस्थ दिखाने का ढोंग किया, लेकिन उसके इस ढोंग की पोल खुल गई. वैसे तो अमेरिका ने भारत-पाकिस्तान का सैन्य टकराव थामने का 'श्रेय' चीन के खुद को यह दर्शाने के इरादे पर पानी फेर दिया कि उसकी हैसियत बढ़ गई है, लेकिन इसके बाद भी वह पाकिस्तान के माध्यम से एशिया और अरब सागर में अपना विस्तारवादी दबदबा कायम करने की कोशिश से बाज नहीं आएगा.

चीनी नेता यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि वे अपने मित्र की रक्षा के लिए उसके साथ खड़े होंगे. चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तानी विदेश मंत्री से कहा था कि चीन अपने सदाबहार मित्र और रणनीतिक सहयोगी की सुरक्षा संबंधी चिंताओं को समझता है और उसकी सुरक्षा के लिए उसका समर्थन करता है. सब जानते हैं कि चीन की असली चिंता पाकिस्तान की सुरक्षा नहीं, बल्कि शी चिनफिंग के सपनों वाली वह 'सीपैक' परियोजना है, जो पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर से गुजरती है और जहां चीन शिनजियांग से अरब सागर तक पक्का राजमार्ग और ग्वादर बंदरगाह का निर्माण कर रहा है.

सरकारी आतंकवाद का पर्याय पाक

विश्व समुदाय को पाकिस्तान सरकार और सेना पर दबाव बनाना चाहिए कि वे आतंक से नाता तोड़ें. अन्यथा उन्हें इसके गंभीर नतीजे भुगतने होंगे. अगर संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाएं अब भी पाकिस्तानी आतंकवाद को नजरअंदाज करती रहीं तो वह दिन दूर नहीं जब इसका दंश भारत के साथ-साथ दूसरे देशों को झेलना पड़ सकता है. मनुष्य का अस्तित्व कोई अकेले के बस की बात नहीं है. अन्य या दूसरे के साथ सहअस्तित्व जीवन जीने के लिए अनिवार्य है. भारत सतत रूप से एक शांति का आकांक्षी देश ही सिद्ध होता है. वह दूसरे देशों पर आधिपत्य स्थापित करने या कब्जा जमाने की जगह शांति चाहता रहा है. अन्य देशों के साथ परस्पर सहयोग और समर्थन पाने की इसकी चाह रही है.

इसी नीति के अनुसार भारत द्वारा आर्थिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में एक-दूसरे से परस्पर जुड़ने के प्रयास को सदैव प्राथमिकता दी गई. कलह और संघर्ष में भारत की कभी रुचि नहीं रही. अपने पड़ोसी देशों की ओर से भी भारत इसी भावना की कामना करता रहा है. ऐसी नीति और आचरण के परिप्रेक्ष्य में ही हमारी विदेश नीति भी निर्धारित होती रही है. इसी अपेक्षा के साथ स्वतंत्र भारत शुरू से राजनय में अपने कदम बढ़ाता रहा है, किंतु दूसरों को अपनी ही तरह समझना खामखयाली साबित हुई. इतिहास गवाह है कि इस तरह की नीति के चलते भारत को कई बार नुकसान भी उठाना पड़ा.

स्वतंत्र भारत का एक दशक बीतते-बीतते पड़ोसी चीन द्वारा भाई-भाई के दिखावटी रिश्तों की आड़ में धोखा दिया गया. पाकिस्तान हमारा दूसरा ऐसा पड़ोसी देश है, जो स्वतंत्र होने के बाद से ही लगातार आक्रामक रुख अपनाए हुए है. आतंकवाद, अलगाववाद तथा उग्रवाद को बढ़ावा देना

और गतिरोध पैदा करना पाकिस्तान का मुख्य काम रह गया है. पाकिस्तान अपने जन्म के साथ ही भारत के साथ पट्टीदारी जैसी मानसिकता के साथ अविश्वास और द्रोह की भावना रखता आया है. युद्ध छेड़ने के अलावा पाकिस्तान की ओर से भारत की सीमा पर शत्रुता भरी छोटी-बड़ी घटना रह-रहकर अंजाम दी जाती रही है. इसके बावजूद भारत पाकिस्तान के साथ संवाद और सहयोग के लिए सदा तत्पर रहा, लेकिन पाकिस्तान की तरफ से नकारात्मक रवैया अपनाया जाता रहा है. साथ ही वह भारत के बारे में दुष्प्रचार के साथ छद्म युद्ध भी चलाता रहा है. इसका दुष्परिणाम भी उसे भुगतना पड़ा है. वहां के प्रधानमंत्री लगातार हत्या या फांसी के शिकार होते आए हैं. एक लंबे समय से पाकिस्तान के अनेक प्रांत अपनी समस्याओं के चलते अलगाववादी राह भी अपनाते रहे हैं. आजकल बलूच समुदाय द्वारा स्वतंत्रता की मांग जगजाहिर है. सच कहें तो आंतरिक अस्थिरता और आपसी मनमुटाव जैसे मुद्दों से वहां की सरकार लगातार जूझ रही है. इसी स्थिति में आतंकवादी तत्व भी सक्रिय होते रहते हैं, जो पाकिस्तान के अंदर और बाहर आतंक मचाने का काम करते हैं. इनके अलग-अलग स्रोत हैं, परंतु इन सबके ऊपर पाकिस्तान सरकार द्वारा आतंकवाद को जायज मानकर अपनाना और पोषित करना खतरनाक पहल है. गत दिनों पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने यह बात खुद स्वीकारी. यह किसी भी सभ्य सरकार के लिए शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण है. पाकिस्तानी सरकार और वहां की सेना आतंकवादी संगठनों को धन, प्रशिक्षण और साजो-सामान से लैस कर तरह-तरह से प्रश्रय देती रही है. ये आतंकवादी भारत की सीमा में आकर कायराना घटनाएं करते रहते हैं. पाकिस्तान सरकार, सेना और आतंकी तीनों का मेल कितना खतरनाक हो सकता है, भारत में होने वाली तमाम आतंकी घटनाएं इसके प्रमाण हैं. मुंबई, उड़ी, पठानकोट, पुलवामा और अब पहलगाम जैसी आतंकी घटनाएं पाकिस्तान की सरकारी दहशतगर्दी की पुष्टि करते हैं.

नए प्लान से ग्रामीणों को मिलेगा रोजगार

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने छत्तीसगढ़ दौरे में कृषि और पंचायत विभाग की समीक्षा बैठक की. इस दौरान उन्होंने ग्रामीण रोजगार को लेकर बड़ी बात कही. शिवराज सिंह चौहान ने मनरेगा में श्रमिकों के बजट के पुनरीक्षण का भरोसा दिया है. इस बैठक में राज्य के सीएम विष्णुदेव साय भी मौजूद थे.

चौहान ने छत्तीसगढ़ दौरे पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा कृषि विभाग के कार्यों की समीक्षा की. बैठक में राज्य और केंद्र की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की स्थिति की समीक्षा की गई और भावी विकास रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया गया. केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विकास कार्यों के लिए छत्तीसगढ़ सरकार की तारीफ की. उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए उन्नत गांव और खुशहाल किसान की अवधारणा को सशक्त बनाना हमारी प्राथमिकता है. छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बैठक में कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ग्रामीण विकास और कृषि को राज्य की रीढ़ मानती है. उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं, बल्कि गांवों की समग्र समृद्धि सुनिश्चित करना है. किसानों की आय बढ़ाना, रोजगार के अवसर पैदा करना और बुनियादी ढांचे को मजबूत करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है.

कृषि क्षेत्र की समीक्षा करते हुए मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि किसानों की आय वृद्धि के लिए केवल पारंपरिक खेती नहीं, बल्कि पशुपालन, बागवानी, मत्स्य पालन जैसे एलाइड क्षेत्रों में भी प्रयास जरूरी हैं. उन्होंने वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों, उन्नत बीजों, जैविक खेती और फसल चक्र अपनाने को प्रोत्साहित किया. केंद्र सरकार द्वारा शीघ्र शुरू की जा रही विशेष पहल की जानकारी देते हुए चौहान ने बताया कि वैज्ञानिकों की टीम राज्य के विभिन्न जिलों का भ्रमण कर किसानों को व्यावहारिक और वैज्ञानिक कृषि तकनीकों का प्रशिक्षण देगी. उन्होंने राज्य सरकार से इस पहल में सक्रिय भागीदारी का आग्रह किया.

बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 'अमृत सरोवर' योजना को स्थानीय आजीविका से जोड़ने की आवश्यकता बताई. उन्होंने कहा कि इससे ग्रामीणों को रोजगार मिलेगा और जलसंरक्षण की दिशा में ठोस परिणाम सामने आएंगे. राज्य सरकार के आग्रह पर केंद्रीय मंत्री चौहान ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत श्रमिक बजट के पुनरीक्षण का भरोसा दिया. साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने स्वीकृत आवासों के शीघ्र निर्माण और हो रहे नये सर्वे पर फोकस करने को कहा. केन्द्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की सराहना करते हुए विशेष रूप से नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में संचालित नियद नेलानार योजना के अंतर्गत हो रहे निर्माण कार्यों की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया. उन्होंने कहा कि यह योजना विकास को राज्य के सुदूर और चुनौतीपूर्ण भूभागों तक पहुंचा रही है. केंद्रीय मंत्री ने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा ग्राम पंचायतों में शुरू किए गए 'अटल डिजिटल सुविधा केंद्रों' की सराहना की और इसे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में क्रांतिकारी कदम बताया. उन्होंने सुझाव दिया कि इस नवाचार का अध्ययन कर इसे अन्य राज्यों में भी लागू किया जाए.

मोदी ने विश्व को दिया शांति का संदेश

पीएम मोदी के संबोधन ने विश्व को शांति का संदेश दिया, भारत ने पाकिस्तान की गुहार मानकर टकराव टाला क्योंकि यह युग आतंकवाद का नहीं है. अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध में कमी और रूस-यूक्रेन में बातचीत की संभावना से वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुधार की उम्मीद जगी है. इन सकारात्मक कदमों से भारतीय बाजार में भी उछाल आया है. पीएम नरेंद्र मोदी का संबोधन देश के नाम था, लेकिन इसने संदेश पूरी दुनिया को दिया. भारत ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बावजूद उसने पाकिस्तान की समझौते की गुहार मान ली, क्योंकि यह युग युद्ध का नहीं है, लेकिन यह युग आतंकवाद का भी नहीं है. एक बड़े मकसद और व्यापक हित में भारत ने शांति की राह चुनी. पहले से ही युद्धों में उलझे विश्व के लिए हिंदुस्तान का कदम आशा की बहुत बड़ी किरण है. पाकिस्तान के साथ संघर्ष के दौरान भारत ने अद्भुत संयम का परिचय दिया. लड़ाई आतंकवाद के खिलाफ थी और भारतीय सेनाओं ने उसे ही लक्ष्य किया. पीएम मोदी ने अपने संबोधन से साफ कर दिया कि आतंक की सरपरस्त सरकार और आतंक के आकाओं को अलग-अलग नहीं देखा जाएगा. शांति का एकमात्र रास्ता यही है कि पाकिस्तान को अपने टेरर इंफ्रा का सफाया करना होगा. पड़ोसी देश से अब बात होगी तो आतंकवाद और PoK पर. पीएम नरेंद्र मोदी ने विकसित और शक्तिशाली भारत की बात की है. देश के सामने सबसे बड़ा लक्ष्य यही है. 2047 तक विकसित मुल्क बनने के लिए पूरी जी-जान लगाकर दौड़ना होगा. क्षेत्रीय अस्थिरता इसमें बड़ी बाधा है, और भारत ने फिलहाल इसका इलाज कर दिया है. पाकिस्तान तक सख्त संदेश पहुंच चुका है. इस टकराव के आगे न बढ़ने और भारत के फिर से अपने लक्ष्य की ओर चलने से ग्लोबल जियो पॉलिटिक्स में नई आशा जगी है. इसी तरह की एक और आशा है अमेरिका और चीन के बीच जारी टैरिफ वॉर का टल जाना, भले ही अभी केवल 90 दिनों के लिए ही. डोनाल्ड ट्रंप की रेसिप्रोकल टैरिफ पॉलिसी के चलते दोनों देश एक नए ट्रेड वॉर की तरफ बढ़ चले थे.

राशिफल

मेष: आज के दिन धन और प्रेम जीवन को लेकर सावधान रहना अच्छा है. चुनौतियां मुश्किल लग सकती हैं लेकिन अक्सर यह छुपे हुए अवसर के समान होती हैं. तनाव कम लें. अपने प्रेम जीवन में खुश रहें. आज क्वालिटी से समझौता किए बिना सभी पेशेवर लक्ष्य हासिल करें.

वृषभ: आज पॉजिटिव एनर्जी के साथ आगे बढ़ना आवश्यक है. अपने लक्ष्यों का पीछा करते रहें. अच्छे मौकों को हाथ से खो देना या हार का अनुभव करना अच्छा फील नहीं होता है, लेकिन रियलिटी को एक्सेप्ट करना जरूरी है.

मिथुन: आज के दिन अपने प्रेम संबंधी मुद्दों और दफ्तर की दिक्कतों को सावधानी से संभालें. इन्ही छोटी-मोटी चीजों से रिश्ता मजबूत होता है. आज आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. याद रखें कि नए मौके हमेशा आपका इंतजार कर रहे हैं.

कर्क: हर रिश्ते को समय-समय पर चुनौतियों का सामना करना पड़ता है लेकिन हम उससे कैसे निपटते हैं, यह जरूरी है. अपनी प्रोडक्टिविटी पर ध्यान दें. यह भी सुनिश्चित करें कि आप आज पैसों को मैनेज समझदारी से करें.

सिंह: जब कोई हमारी फीलिंग्स को एक्सेप्ट नहीं करता है या दूर चले जाने का विकल्प चुनता है, तो यह एक संकेत है कि वह हमारे लिए नहीं सही है. मुद्दों का सामना करने में जल्दबाजी करने के बजाय, एक कदम पीछे हटें और भावनाओं को शांत होने का समय दें. विश्वास रखें कि मुश्किल घड़ी बीत जाएगी.

कन्या: आज अपने प्रोफेशनल रिश्ते को मजबूत बनाए रखने के लिए मुद्दों की जांच करें. ऑफिस और पर्सनल जीवन में संतुलन बनाए रखें और सभी पेशेवर लक्ष्यों को हासिल करने का प्रयास करें. आपका रिश्ता पार्टनर के साथ और भी मजबूत हो जाएगा.

तुला: आज के दिन रिजेक्शन पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय इसे सही व्यक्ति को खोजने की दिशा में एक कदम बढ़ाने के रूप में देखें, जो वास्तव में आपकी तारीफ करता है कि आप जैसे हैं वैसे ही आपको एक्सेप्ट करता है. खर्च पर कंट्रोल करें.

वृश्चिक: आज के दिन स्वास्थ्य और आर्थिक जीवन दोनों उत्तम रहेगा. आप सोच-समझकर इन-वेस्टमेंट करने के लिए जरूरी डीसीजन ले सकते हैं. एक्सपर्ट की सलह लें. चुनौतियां जीवन का स्वाभाविक हिस्सा हैं, लेकिन उनसे पार पाना आप जानते हैं.

धनु: आज के दिन पैसे की कोई कमी नहीं रहेगी. अपने चेहरे पर मुस्कान रखें क्योंकि यह आपके कॉन्फिडेंस को दर्शाता है. आज प्यार के विभिन्न पहलुओं का पता लगाने के लिए शांत रहें. कार्यालय में आपकी उत्पादकता हाई रहेगी.

मकर: आज आप पर्सनल और प्रोफेशनल जीवन को लेकर थोड़ा परेशान हो सकते हैं. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा लेकिन भारी वस्तुएं उठाने से बचें. आज के डिजिटल युग में अपनी पर्सनल जानकारी की सुरक्षा के लिए ऑनलाइन सिक्युरिटी को प्राथमिकता दें.

कुंभ: आज के दिन लाइफ और वर्क के बीच बैलेंस बनाना जरूरी है. अपनी एनर्जी को सही जगह इस्तेमाल करें. आज अपने शरीर और दिमाग की आवश्यकता को सुनना महत्वपूर्ण है. आराम करें क्योंकि बॉडी को इसकी जरूरत है.

मीन: आज आप चुनौतियों से अधिक प्रभावी ढंग से निपटने में सक्षम होंगे. अपने आप पर बहुत ज्यादा प्रेशर डालने से बचें और टास्क को कंप्लीट करने में अपना समय लें.

फिल्म वर्ग पहेली - 444

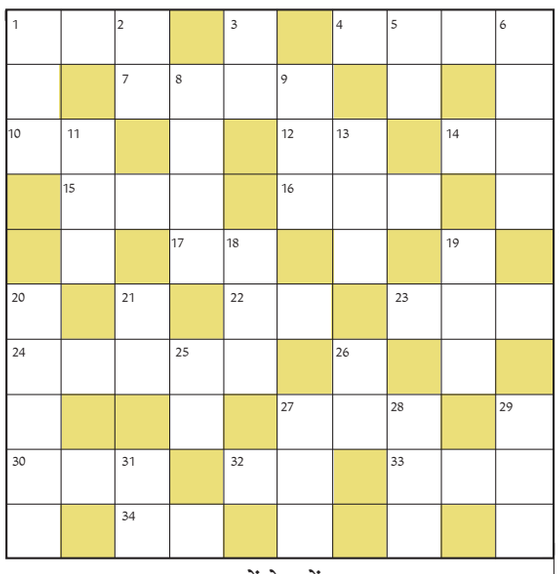

ऊपर से नीचे:-

1. 'तन्हा तन्हा दिल' गीत वाली फिल्म-3
2. 'कहना है तुमसे कहना' गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-2
3. फिल्म 'मिलन' में मनीषा कोईराला के साथ नायक का नाम-2
5. 'दिल ही दिल में' गीत वाली विवेक ओबेराय, दिया की फिल्म-2
6. बॉबी, अक्षय, अमीषा की 'दिल ने कर लिया' गीत वाली फिल्म-4
8. 'ठहरो तो सही सोचो तो' गीत वाली गोविंदा, मनीषा की फिल्म-4
9. ऋषि, श्रीदेवी की 'भूली बिलरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-3
11. राजेश खन्ना, धर्मेंद्र, वहीदा की फिल्म-3
13. 'हसीना गोरी गोरी' गीत वाली फिल्म-3
18. फिल्म 'खानदान' की नायिका कौन थी-3
19. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-3
20. 'हम साथ साथ हैं' में सोनाली के पिता की भूमिका किसने की थी ?-3,2
21. 'इन आँखों को आशिक' गीत वाली राजेश, सुलक्षण की फिल्म-2
25. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की एक सस्पेंस फिल्म-2
26. 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-2
27. फरदीन, उर्मिला की फिल्म-3
28. 'गोरी जो मटके' गीत वाली फिल्म-3
29. सनी, मीनाक्षी की 'सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-3
31. संजीवकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की 1981 की एक फिल्म-2

बायें से दायें:-

1. 'तू सामने जब आता' गीत वाली शाहरूख, माधुरी की फिल्म-3
4. शाहरूख, ट्विंकल की 'आशिक हूँ मैं कातिल भी' गीतवाली फिल्म-4
7. 'आके चली बांके चली' गीत वाली संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर, शबाना आजमी की फिल्म-4
10. 'दिल चीज क्या है' गीत वाली 'उमराव जान' की नायिका-2
12. राजेंद्र कुमार, माला की 'जिसके सपने हमें' गीत वाली फिल्म-2
14. 'मैं तुझ से मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-2
15. अक्षयकुमार, रवीना की 'टिप टिप बरसा पानी' गीत वाली फिल्म-3
16. 'संभाला है मैं ने' गीत वाली मिथुन, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-3
17. जैकी, रति अग्निहोत्री की 'छोड़ो मुझे छोड़ो' गीत वाली फिल्म-2
22. फिल्म 'हुतूतू' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी ?-2
23. 'ये रेशमी जुल्फे' गीत वाली राजेश, मुमताज की फिल्म-1,2
24. मिथुन, चंकी, रितुपर्णा, सोमी अली की 1994 की एक फिल्म-3,2
27. 'बनाके क्यूँ बिगाड़ा रे' गीत वाली अमिताभ, जया की फिल्म-3
30. जीतेंद्र, रामेश्वरी की 'काहे बिंदिया लगाई' गीतवाली फिल्म-3
32. 'एक लड़की जिसके होठों' गीत वाली संजय, जैकी, शिल्पा की फिल्म-2
33. सनी, संजय, रवीना, दिव्या की 'दिल ना किसी का' गीत वाली फिल्म-3
34. 'तू प्यार का सागर है तेरी इक बूंद के प्यासे हम' गीत वाली बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली -443 का हल

कु	बा	न		व	जू	द		आ	शा
बा		सी	मा		ही	रा		शि	
नी	ल	म		ग		र	क्ष	क	
	म्हे		खु	दा	र		त्रि		अ
स		ग	द	र		ज	य	रा	ज
हे	मा		ग		सो	मी		जा	न
ली		क	र्ज			र	वि		बी
	ज	या		म	धु		दा	ग	
बा		म	र्या	दा		भा	ई		जू
जी	न	त		री		भी		डो	ली

■ मंगल सैणचा, बेंगलोर

अंकजाल - 444

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

	12	23	22	28		10	18	25	
22	8		2				4		18
22		7		8		5		8	16
22	2		3		6		9		12
				2		7		5	28
36	7		5		7				
10		4		5		5		3	21
19	4		8		8		8		27
18		6				5		7	25
	21	25	16		35	25	20	16	

अंकजाल 443 का हल

	9	14	20	22	19		26	30	
28	7	9	3	7	2		5	7	12
27	2	5	7	8	5		4	9	13
			2	7	5	8	7	5	34
13	3	8	2		7	3	4	2	16
20	6	9	2	3		5	6	7	18
25	3	6	4	5	2	5			
9	6	3		4	7	8	8	5	32
14	8	6		4	6	8	7	3	28
	26	32		16	15	37	15	8	

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 444

शब्दजाल में 'आ' से शुरु होने वाले दस शब्द ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

आ	घा	त	ह	दा	प	र	तू	ग	झ	आ
ज	अ	ल	म	आ	त	ता	यी	तें	शा	ई
अं	इ	नु	दि	ल	दा	ल	ढ	र	ला	ना
आ	कु	अ	ल	बे	ला	क	ई	रि	श	लौ
स	मा	श	आ	तं	क	स	अ	ग	वी	ट
री	रं	दा	चु	व	लि	आ	वा	ग	म	न
आ	गा	ल	के	गा	आ	म	र	कौ	या	ले
ग	बा	आ	रा	म	क	रो	प्रे	ग	श	थ
म	स	मि	न	व	न	ज	ग्य	शा	जू	द
न	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	ना
थो	आ	स	मा	न	हो	ग	या	दु	र	क

आराम,आगमन,आईना,आसमान,आघात, आरोग्य,आवागमन,आमादा,आततायी, आतंक

शब्दजाल - 443 का हल

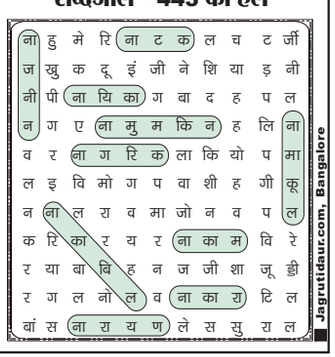

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

14 मई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	05.26 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	मिथुन	07.24 बजे से
मंगल	कर्क में	कर्क	09.37 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	11.54 बजे से
गुरु	वृष में	कन्या	14.05 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	16.16 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	18.31 ब.से
राहु	मीन में	धनु	20.47 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	22.52 बजे से
		कुंभ	00.38 बजे से
		मीन	02.11 बजे से
		मेष	03.42 बजे से

राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक

बुधवार 2025 वर्ष का 134 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1946 **मास** ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** द्वितीया 02.30 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** अनुराधा 11.47 बजे को समाप्त। **योग** परिघ 06.34 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 13.35 बजे तदनन्तर गर 02.30 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 16.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 18° 38' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872344 **जूलियन दिन** 2460809.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** जिल्काद **तारीख** 15

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

जनसंवाद नेटवर्कस् प्रा. लि. हेतु राष्ट्रबाण (प्रेस) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक विष्णुगुप्त श्रीनिवास वैद्य द्वारा यह मुद्रित कर 101/5 गणेश स्नेहल अपार्टमेंट नागपुर-22 से प्रकाशित. प्रधान संपादक - *विष्णुगुप्त श्रीनिवास वैद्य, *पी. आर. बी. कानून के तहत संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार ■ इस पत्र में प्रकाशित विज्ञापन, लेख व समाचारों में व्यक्त विचार व्यक्तिगत है. उनसे हमारा सहमत-असहमत होना जरुरी नहीं. RNI Reg. No. HIN/72804 ■ फोन नं. 0712-7966355, rashtrabaanngp@gmail.com

FB पर दोस्ती और कार में 100 लड़कियों से गैंगरेप

कोयंबटूर. तमिलनाडु के कोयंबटूर के पोल्लाची यौन उत्पीड़न केस में 6 साल बाद 9 लोगों को मरते दम तक उम्रकैद की सजा सुनाई गई है. इसके साथ ही सजा सुनाने वाली न्यायाधीश आर नंदिनी देवी ने 8 पीड़ितों को 85 लाख रुपए का मुआवजा देने का आदेश दिया है. सजा पाए अपराधियों में रिश्वंथ उर्फ एन सबरीराजन, के थिरुनावु-क्कारासु, एम सतीश, टी वसंत-कुमार, आर मणिवन्नन उर्फ मणि, पी बाबू उर्फ 'बाइक' बाबू, के अरु-लानंथम, टी हारोनिमस पॉल और एम अरुणकुमार का नाम शामिल है. सभी आरोपियों की उम्र 30 से 39 के बीच है. उनको कड़ी सुरक्षा के बीच सलेम सेंट्रल जेल से अदालत में लाया गया. सीबीआई के विशेष लोक अभियोजक सुरेंदा मोहन ने बताया कि सभी 9 आरोपियों पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 376डी (गैंगरेप) और 376(2)(एन) (एक महिला से बार-बार गैंगरेप) के तहत आरोप लगाए गए थे. अदालत ने आरोपियों को दोषी ठहराते हुए 1 से 5 बार तक उम्रकैद की सजा सुनाई है, जिसमें थिरुनावुक्कारासु को सबसे अधिक सजा मिली है.

पोल्लाची यौन उत्पीड़न केस में 6 साल बाद 9 लोगों को उम्रकैद

कैसे हुआ इस वारदात का खुलासा

साल 2019 के फरवरी में एक 19 वर्षीय कॉलेज छात्रा ने थाने में दर्ज कराई अपनी शिकायत में इसका खुलासा किया था. उसने पुलिस को बताया कि उसके कुछ परिचित युवक उसे एक कार में बैठाकर घूमने के बहाने बाहर ले गए. उन लोगों ने कार में उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया. इसका कुकृत्य का वीडियो भी बनाया. उस वीडियो के जरिए ब्लैकमेल करते हुए आरोपी उसे लगातार अपनी हवस का शिकार बनाते रहे. पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया.इसके बाद पुलिस ने अपनी जांच शुरू कर दी. जांच के दौरान जो खुलासे हुए, उसने पूरे सूबे को झकझोर दिया, क्योंकि ये इकलौता मामला नहीं था. ऐसी सैकड़ों लड़कियां थीं, जो इस गैंग का शिकार थीं. इस गैंग के लड़के फेसबुक और इंस्टाग्राम के जरिए लड़कियों से दोस्ती करते थे. उन्हें मिलने के बहाने किसी सुनसान जगह या गाड़ी में बुलाते थे. वहां उनको अपनी हवस का शिकार बनाते हुए वीडियो बना लेते थे. इन अश्लील वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर उनको ब्लैकमेल किया करते थे.

किस दोषी को मिली कितनी सजा...

- दोषी नंबर 1 :- सबरीराजन - 4 उम्रकैद
- दोषी नंबर 2 :- थिरुनावुक्कारासु - 5 उम्रकैद
- दोषी नंबर 3 :- सतीश - 3 उम्रकैद
- दोषी नंबर 4 :- वसंतकुमार - 2 उम्रकैद
- दोषी नंबर 5 :- मणिवन्नन - 5 उम्रकैद
- दोषी नंबर 6 :- बाइक बाबू - 1 उम्रकैद
- दोषी नंबर 7 :- हारोनिमस पॉल - 3 उम्रकैद
- दोषी नंबर 8 :- अरुलानंथम - 1 उम्रकैद
- दोषी नंबर 9 :- अरुण कुमार - 1 उम्रकैद

फैसले का स्वागत, लेकिन सियासत जारी

मुख्यमंत्री एम के स्टालिन और विपक्ष के नेता एडप्पादी के पलानीस्वामी ने फैसले का स्वागत किया है. सीएम स्टालिन ने कहा, ₹अन्नाद्रमुक पदाधिकारी सहित दुष्ट अपराधियों द्वारा किए गए अत्याचारों के लिए न्याय मिला है. अन्नाद्रमुक जिन लोगों ने दोषियों को बचाने की कोशिश की थी, उन्हें शर्म आनी चाहिए.₹ अन्नाद्रमुक प्रमुख पलानीस्वामी ने दावा किया कि पुलिस की त्वरित कार्रवाई और तत्कालीन सरकार के सीबीआई जांच के फैसले ने पीड़ितों को न्याय सुनिश्चित किया है."

100 से ज्यादा लड़कियां बनीं शिकार

इस दौरान पीड़ितों से पैसे की मांग की जाती थी. पैसे नहीं देने पर लगातार उनका यौन उत्पीड़न किया जाता था. करीब 100 से ज्यादा लड़कियां उनकी शिकार बनी थीं. वे सामाजिक डर की वजह से इस वारदात का खुलासा नहीं कर पाती थी. इस तरह लगातार यौन उत्पीड़न की शिकार होती रहीं. पीड़ितों में अधिकतर स्कूल और कॉलेज की लड़कियां थीं. लेकिन इन्हीं में से एक लड़की ने हिम्मत दिखाकर अपनी आपबीती परिजनों को सुनाई. इसके बाद उनके सहयोग से थाने जाकर शिकायत दर्ज कराई.चेन्नई से करीब 550 किमी दूर तमिलनाडु के पोल्लाची शहर में हुई इस घटना के बाद लोग आक्रोश में आ गए. पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए लोगों ने प्रदर्शन किया. इस मामले की जांच पहले स्थानीय पुलिस कर रही थी, लेकिन सीआईडी को केस सौंप दिया गया. लेकिन लोग इससे भी संतुष्ट नहीं हुए, तो राज्य सरकार ने इस मामले में सीबीआई जांच की सिफारिश कर दी. सीबीआई ने पूरी तफ्तीश के साथ इस मामले की जांच की और आरोपियों के खिलाफ विस्तृत चार्जशीट फाइल की थी.

रामगढ़ में नवविवाहिता की संदिग्ध हालत में मौत

रामगढ़. रामगढ़ जिले के कुजू ओपी क्षेत्र में एक नवविवाहिता की संदिग्ध मौत से इलाके में सनसनी फैल गई है. महिला का शव उसके ही कमरे में दुपट्टे के सहारे फांसी के फंदे से लटका मिला. मृतका की पहचान रिया के रूप में हुई है. घटना की सूचना मिलते ही रिया के परिजन मौके पर पहुंचे. मां सीमा देवी ने दामाद धुरूप और उसके माता-पिता पर रिया की हत्या कर शव को फंदे से लटकाने का आरोप लगाया है. उन्होंने कुजू ओपी में एफआईआर दर्ज कराई है. सीमा देवी का कहना है कि दहेज के लिए रिया को लगातार प्रताड़ित किया जाता था और गाड़ी की मांग की जा रही थी.

ससुराल वालों पर लगा दहेज के लिए हत्या का आरोप

रिया ने की थी लव मैरिज

रिया की शादी धुरूप से लव मैरिज थी और दोनों की जातियां अलग थीं. शादी को अभी एक साल भी नहीं हुआ था. सास उषा देवी ने बताया कि जब वह काम से लौटकर घर आईं तो रिया का कमरा अंदर से बंद था. दरवाजा तोड़कर अंदर गए तो देखा कि रिया फंदे से लटकी हुई है.घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा. जांच में रिया का मोबाइल सिम कार्ड गायब मिला. पति ने दावा किया कि रिया ने खुद सिम तोड़ दी थी.

मृतका के परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

पुलिस के मुताबिक, आरोपी धुरूप का आपराधिक इतिहास है और वह पांडे गैंग से जुड़ा रहा है. फिलहाल उसे गिरफ्तार कर लिया गया है और पुलिस मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है.

राजस्थान में पटरी पर लौट रही जिंदगी

बॉर्डर वाले जिलों में स्कूल-कॉलेज खुले, नहीं होगा ब्लैकआउट

जयपुर. राजस्थान के सीमावर्ती जिलों में हालात अब सामान्य हो रहे हैं. सोमवार को जहां कुछ जगहों पर अभी भी एहतियात बरती जा रही थी, वहीं मंगलवार को बीकानेर, श्रीगंगानगर और जोधपुर जिलों में स्कूल-कॉलेज सहित सभी शैक्षणिक संस्थान दोबारा खोल दिए गए हैं. जिला प्रशासन ने लोगों को आश्वस्त किया है कि अब किसी प्रकार के ब्लैकआउट का आदेश नहीं है, हालांकि सतर्कता बनाए रखने की अपील की गई है.

राजस्थान की पाकिस्तान के साथ 1,070 किलोमीटर लंबी सीमा लगती है: भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव के चलते पिछले कुछ दिनों में राजस्थान के कई सीमावर्ती जिलों में सुरक्षा कारणों से स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए थे और रात को ब्लैकआउट (बत्तियां बुझाने) के निर्देश जारी किए गए थे. राजस्थान की पाकिस्तान के साथ 1,070 किलोमीटर लंबी सीमा लगती है, जिससे सीमावर्ती जिलों में किसी भी स्थिति को लेकर विशेष सावधानी बरती जाती है. जिला प्रशासन ने बताया कि अब हालात काबू में हैं और भारत-पाकिस्तान के बीच शनिवार को तनाव खत्म करने पर सहमति बनने के बाद सामान्य स्थिति लौट रही है. इसी के तहत बीकानेर, जोधपुर और श्रीगंगानगर जिलों में स्कूल, कॉलेज और अन्य शिक्षण संस्थानों को 13 मई से फिर से खोलने का निर्णय लिया गया है. श्रीगंगानगर प्रशासन ने बताया, 'जिले के सभी शैक्षणिक संस्थान नियमित रूप से संचालित हो सकेंगे. साथ ही शाम 7 बजे से सुबह तक बाजार बंद रखने जैसे अन्य प्रतिबं-धात्मक आदेश भी तत्काल प्रभाव से हटा दिए गए हैं.

हालात हो रहे सामान्य

रविवार रात को बाड़मेर जिले में आसमान में कुछ लाल रोशनी दिखाई दी थी, जिसे ड्रोन होने का शक जताया गया था. इसके बाद पूरे सीमावर्ती इलाके में ब्लैकआउट किया गया था. लेकिन सोमवार सुबह से ही चाय की दुकानों और बाजारों में रौनक लौटने लगी और लोगों ने राहत की सांस ली.

' बेहद शर्मनाक '

नई दिल्ली. नई दिल्ली में मंगलवार को कांग्रेस ने बीजेपी नेता और मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह के उस कथित बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है, जिसमें उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में सेना का नेतृत्व कर रही कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक टिप्पणी की. कांग्रेस ने एक वीडियो साझा किया है जिसमें विजय शाह यह कहते सुने जा सकते हैं कि जिन्होंने हमारी बेटियों के सिंदूर उजाड़े थे, हमने उन्हीं की बहन भेजकर उनकी ऐसी की तैसी करवाई. कांग्रेस ने मंत्री विजय शाह के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी इस बयान को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इसे बेहद शर्मनाक और महिलाओं का अपमान करने वाला बताया. उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से मंत्री की तत्काल बर्खास्तगी की मांग की. विजय शाह ने सफाई दी है कि उनके बयान को कुछ लोग तोड़-मरोड़कर पेश कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि हम कर्नल सोफिया का सम्मान करते हैं, उन्होंने हमारी शान बढ़ाई है. इसे किसी और नजरिए से न देखा जाए.

विजय शाह बोले उनके बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया

कांग्रेस नेताओं पवन खेड़ा, मोहम्मद जावेद, दानिश अली और रेणुका चौधरी ने भी मंत्री के बयान को सेना और देश का अपमान बताते हुए कार्रवाई की मांग की है. कर्नल सोफिया कुरैशी भारतीय सेना की वह अधिकारी हैं जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में देश का नेतृत्व किया था. मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि ऐसे मंत्री को अभी इसी वक्त पर त्यागना चाहिए. पटवारी ने यह भी मांग की कि भारतीय जनता पार्टी को स्पष्ट करना होगा कि यह भाषा विजय शाह की थी या भाजपा की.

फास्ट ट्रैक

असम में देशद्रोह के आरोप में 3 और गिरफ्तार

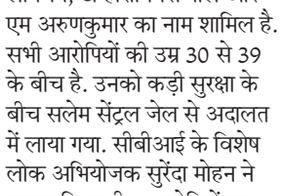

गुवाहाटी. असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि उनके राज्य में देशद्रोह के आरोप में तीन और लोगों को गिरफ्तार किया गया है. इसके साथ ही, 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद से राज्य में अब तक कुल 56 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है. राज्य के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने सोमवार रात को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि गिरफ्तार किए गए तीनों लोगों की पहचान धुबरी के लालचन अली, लखीमपुर के समीर अली और कार्बी आंगलोंग के रकीब हुसैन के रूप में हुई है.मुख्यमंत्री ने कहा, 'दुश्मन के साथ सहानुभूति रखने का कोई भी कार्य देशद्रोह का कार्य है.

टैरिफ को लेकर ट्रंप पर बरसे चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग!

नई दिल्ली. दुनिया की 2 सबसे बड़ी इकोनॉमी वाले देश अमेरिका और चीन के बीच 90 दिन तक टैरिफ (US-China Tariff) को लेकर समझौता हुआ है. दोनों देश एक दूसरे के गूड्स पर लगने वाले टैरिफ को कम करने का फैसला किया है. स्विट्जरलैंड में दोनों देशों के प्रतिनिधियों की हाल में हुई बैठक में 90 दिनों तक यह व्यवस्था लागू रहेगी. इस बैठक के बाद दोनों देशों के बीच ट्रेड वॉर लंबे समय तक चलने का खतरा खत्म हो चुका है और अमेरिका में मंदी (US Re-cession) की आशंका भी समाप्त हो गई है. दोनों देशों के बीच इस फैसले से दुनिया भर के बाजारों में उत्साह है. वहीं दूसरी ओर, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग (Xi jinp-ing) ने अमेरिका की मनमानी और वर्चस्व की आलोचना करते हुए खरी-खरी सुनाई है. एक रिपोर्ट के मुताबिक, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा है कि 'धमकाना' केवल उलटा असर करेगा. उन्होंने यह बात अमेरिका की ओर इशारा करते हुए कही. शी जिनपिंग का ये बयान अमेरिका और चीन के बीच सहमति बनने के बाद आई है. जिनपिंग ने मंगलवार को बीजिंग में ब्राजील, कोलंबिया और चिली के राष्ट्रपतियों समेत लैटिन अमेरिकी और कैरेबियाई अधिकारियों के एक शिखर सम्मेलन में ये बातें कहीं.

ट्रेड वार में कोई नहीं जीतता: शी जिनपिंग

शी जिनपिंग ने कहा कि टैरिफ वॉर या व्यापार युद्ध में कोई विजेता नहीं होता. धमकाने या दबदबा जमाने से केवल आत्म-अलगाव ही होता है. उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ व्यापार टकराव के दौरान दी गई चेतावनी को दोहराया. उन्होंने कहा कि ऐसा कभी नहीं देखा गया और तेजी से बदलाव हो रहा है. राष्ट्रों के बीच एकता और सहयोग कम हो गया है.

सोने की चेन के लिए बुजुर्ग दंपति की हथौड़ा से हत्या

सलेम. तमिलनाडु के सलेम के अम्मापलायम में हत्या की एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है. यहां गहने की चोरी के दौरान एक बुजुर्ग दंपत्ति की बेरहमी से हत्या कर दी गई. इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची. मृतकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. इस मामले में रमंगलम थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 309 के तहत केस दर्ज किया गया है. अपराधियों को पकड़ने के लिए पुलिस की पांच टीमें बनाई गई हैं.

ऐसे में रामासामी के बेटे के कहने पर उनके पड़ोसी घर उसके घर पहुंचे तो वहां दंपति की लाश देख हैरान रह गए. रामासामी घर के अंदर मृत पाए गए, जबकि बक्कियाम्मल का शव बाहर मिला. पुलिस मौके पर पहुंची, शवों को बरामद किया और पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया. एसपी सुजाता ने कहा था, 'एडीएसपी के नेतृत्व में आठ विशेष टीमें बनाई गई और सीसीटीवी फुटेज खंगाली गई. इस घटना के दौरान 80 ग्राम सोने के आभूषण गायब हो गए."

जानकारी के मुताबिक, 70 वर्षीय भास्करन एक दुकान चलाते थे. वो अपनी पत्नी 65 वर्षीय विद्या के साथ रहते थे. भास्करन का बेटा वासुदेवन, जो अपने माता-पिता के साथ घर की पहली मंजिल पर रहता था. रविवार की रात वो घर के नीचे की मंजिल पर पहुंचा, तो अपनी मां को खून से लथपथ पाया. उनके बगल में ही उसके पिता जीवन के लिए संघर्ष कर रहे थे. वो अपने पिता को अस्पताल ले जाता, इससे पहले उनकी मौत हो गई. इसके बाद इस मामले की सूचना पुलिस को दी गई.वासुदेवन ने बताया, ₹मेरे घर में हर जगह खून फैला था. मेरी मां का शव बुरे हाल में पड़ा हुआ था. मेरे पिता जीने के लिए संघर्ष कर रहे थे. उन्होंने किसी के साथ कुछ गलत नहीं किया. कोई संपत्ति विवाद भी नहीं है. वे मंदिर गए थे. पलानी मंदिर में चढ़ाने के लिए फल खरीदे थे. वापस आने के बाद वे इस हाल में मिले हैं. उन्होंने 114 ग्राम की सोने की चेन पहनी थी, जो अब गायब है.₹ मृतक दंपति के बेटे की तहरीर के आधार पर पुलिस ने केस दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी. पुलिस ने जांच के दौरान कुछ ही घंटों में अपराधी का पहचान कर ली. आरोपी का नाम संतोष कुमार है, जो कि बिहार का रहने वाला है. 10 साल से अधिक समय से यहां रहा है. वो कंस्ट्रक्शन का काम करता है. बताया जा रहा है कि वो आर्थिक तंगी से जूझ रहा था. उसने चोरी की योजना बनाई. उसने दंपति को सोने की चेन पहने हुए देखा. इसके बाद कोल्ड ड्रिंक खरीदने के बहाने भास्करन की दुकान पर गया. वहां से पीछा करते हुए उनके घर गया और वारदात को अंजाम दे दिया.इसी महीने की शुरूआत में तमिलनाडु के इरोड में भी एक बुजुर्ग दंपति की हत्या की सनसनीखेज घटना सामने आई थी. शिवगिरी के पास वेलंगट्टु वलासु गांव में खेत में बने घर में अकेले रह रहे बुजुर्ग दंपत्ति की बेरहमी से हत्या कर दी गई. 75 साल के रामासामी अपनी पत्नी बक्कियाम्मल के साथ खेत में रह रहे थे. कपल का बेटा मुथुर में रहता था और पिछले दो दिनों से अपने माता-पिता से कॉन्टैक्ट नहीं कर पाने के कारण चिंतित था. उन्हें बार-बार फोन मिला रहा था.

सुरक्षा | क्या विदेशों से महंगे तोहफे ले सकता है US राष्ट्रपति

ट्रंप के लिए सुरक्षित होगा 'उड़ता-फिरता राजमहल ?'

नई दिल्ली. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कतर के शाही परिवार की तरफ से एक सुपर लग्जरी Boe-ing 747-8 जंबो जेट बतौर गिफ्ट लेने वाले हैं. यह जंबो जेट किसी विदेशी सरकार की तरफ से अमेरिका को दिया गया सबसे महंगा तोहफा होने वाला है. ट्रंप फिलहाल 40 साल पुराने एयर फोर्स वन के विमान का इस्तेमाल कर रहे हैं और नया जेट एयर फोर्स वन विमान की जगह लेगा.

परमाणु विस्फोट झेलने की ताकत रखते हैं एयर फोर्स वन के विमान

एयर फोर्स वन विमानों को शीत युद्ध के अंत के समय में बिल्कुल नए सिरे से बनाया गया था. ये विमान इतने मजबूत हैं कि परमाणु विस्फोट के प्रभावों को भी झेल सकते हैं. इनमें एंटी मिसाइल सिस्टम और ऑपरेटिंग रूम की भी व्यवस्था है. जरूरत पड़ने पर हवा से हवा में ही इन विमानों में ईंधन भी भरा जा सकता है. एक पूर्व अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि कतर के विमान में इस तरह की सुविधाएं जोड़ी तो जा सकती हैं लेकिन यह आसान नहीं होगा. अधिकारी ने कहा कि राष्ट्रपतियों के लिए ऐसे जेट पर उड़ान भरना जोखिम भरा होगा.

बताया जा रहा है कि ट्रंप व्हाइट हाउस छोड़ने के बाद कतर से मिले विमान को अपने निजी इस्तेमाल के लिए रखेंगे. सुपर लग्जरी जेट की कीमत 40 करोड़ डॉलर बताई जा रही है. जेट इतना आलीशान है कि इसे 'फ्लाइंग पैलेस' यानी उड़ता-फिरता राजमहल के रूप में जाना जाता है. इसमें शानदार बाथरूम, निजी बेडरूम और शानदारी इंटीरियर है. जेट में एक बड़ी सी शानदार सीढ़ी है. इतना महंगा और लग्जरी विदेशी तोहफा स्वीकार करने को लेकर विपक्षी डेमोक्रेट्स ट्रंप की आलोचना कर रहे हैं. लेकिन ट्रंप ने विपक्ष की आलोचनाओं का जवाब देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर लिखा, 'रक्षा मंत्रालय को एक तोहफा मिल रहा है, बिल्कुल मुफ्त...40 साल पुराने एयर फोर्स वन को अस्थायी रूप से रिप्लेस करने के लिए 747 एयरक्राफ्ट. यह बहुत ही सार्वजनिक और पारदर्शी तरीके से हो रहा है इसलिए डेमोक्रेट्स को इससे परेशानी हो रही है. वो कह रहे हैं कि हमने इसके लिए पैसे दिए हैं...डे-मोक्रेट्स बेवकूफ हैं.'

किसी दूसरे देश से ट्रंप का सुपर लग्जरी गिफ्ट लेने पर कानून क्या कहता है?जब सुल्तानों ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति मार्टिन वान ब्यूरेन को गिफ्ट्स देने की कोशिश की तो उन्होंने अमेरिकी संविधान का पालन करते हुए अमेरिकी संसद से पूछा था कि क्या किया जाए.

1839 में टैंजियर्स स्थित अमेरिकी वाणिज्य दूतावास में मोरक्को के सुल्तान ने वान ब्यूरेन को दो जीवित शेर उपहार में दिए थे और ओमान के सुल्तान ने उन्हें 1840 में जहाजों में भरकर घोड़े, मोती और दूसरी मूल्यवान चीजें देने की कोशिश की थीं.वान ब्यूरेन ने एक पत्र लिखकर अमेरिकी सांसदों को इसकी सूचना देते हुए लिखा कि इस तरह के उपहार लेना कानून के विरुद्ध है. उन्होंने लिखा, 'मैं अपना कर्तव्य समझता हूं कि इस प्रस्ताव को कांग्रेस के समक्ष रखा जाए, ताकि वे इस पर जो भी उचित समझें, वह किया जा सके.'कांग्रेस ने अपने राष्ट्रपति से कहा कि विदेशों से उपहार लेना ठीक नहीं है. शेरों को चिड़ियाघर में रख दिया गया और घोड़ों को बेच दिया गया. मोती और कीमती चीजों को संग्रहालय में रख दिया गया.राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के तर्क के अनुसार, वान ब्यूरेन बहुत बेवकूफ थे. सोमवार को ट्रंप ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'मैं बेवकूफ कहा जाऊंगा अगर मैं कहूंगा कि ओह, नहीं, हमें मुफ्त विमान नहीं चाहिए. हम मुफ्त चीजें देते हैं. तो हम भी एक ले लेंगे.'

लेकिन अमेरिका का कानून विदेशों से इस तरह के गिफ्ट्स लेने पर सख्त मनाही की बात करता है. अमेरिका का संविधान कहता है, 'अमेरिकी सरकार के अंदर कोई भी लाभ या विश्वास के पद पर बैठा व्यक्ति, कांग्रेस की सहमति के बिना किसी भी राजा, राजकुमार या दूसरे देश से किसी भी तरह का उपहार, पारिश्रमिक, पद या उपाधि स्वीकार नहीं करेगा.'ऐसे में ट्रंप अगर कतर से लग्जरी जेट लेते हैं तो यह कानून का उल्लंघन माना जाएगा क्योंकि इसके लिए उन्होंने कांग्रेस की सहमति नहीं ली है.

अमेरिकी राष्ट्रपति का किसी दूसरे देश से मिले जेट में यात्रा करना कितना सुरक्षित?: गले हफ्ते अमेरिका को कतर से विमान मिल सकता है. विमान को लेकर यह चर्चा ऐसे वक्त में गर्म है जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल के पहले अंतरराष्ट्रीय दौरे में मध्य-पूर्व पहुंचे हैं. ट्रंप सऊदी अरब पहुंच चुके हैं जिसके बाद वो संयुक्त अरब अमीरात (UAE) और कतर का दौरा करेंगे. अमेरिकी राष्ट्रपतियों के इतिहास की जानकारी रखने वाले और 'Doomsday Scenario' न्यूजलेटर के लेखक गैरेट ग्राफ के अनुसार, यह विश्वास करना कठिन है कि अमेरिका की खुफिया सीक्रेट सर्विस कभी भी किसी ऐसे विमान पर भरोसा करेगी जिसका उपयोग किसी विदेशी सरकार ने किया हो.

ग्राफ ने एक किताब लिखी है जिसमें उन्होंने बताया है कि कैसे जब अमेरिका पर हमला हुआ था तब राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश ने एयर फोर्स वन पर आठ घंटे बिताए थे. उस दौरान एयर फोर्स वन को छोड़कर किसी भी अन्य विमान को अमेरिकी एयर स्पेस में जाने की इजाजत नहीं थी.जब अमेरिकी राष्ट्रपति उड़ान भर रहा होते हैं तो उनके चारों तरफ हवाई सुरक्षा की कई परतें होती हैं. इसकी बहुत सी जानकारियां सीक्रेट होती हैं लेकिन ग्राफ लिखते हैं कि राष्ट्रपति के आस-पास का क्षेत्र कितना अभेद्य होना चाहिए.'एक जेट, जो एक दशक से अधिक समय से विदेशी सरकार के कंट्रोल में रहा है, उसे अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए इस्तेमाल करने का विचार खुफिया नजरिए और भौतिक सुरक्षा, दोनों तरीके से अनुचित है.'उन्होंने लिखा कि विमान को सुरक्षित बनाने के लिए उसमें पूरी तरीके से बदलाव करने होंगे लेकिन कितने भी बदलावों के बावजूद, वो अमेरिकी राष्ट्रपति को कतर के जेट में बिठाने के पक्ष में नहीं हैं.

UP: शाहजहांपुर में नाबालिग हिंदू लड़की से जबरन धर्म परिवर्तन

निकाह की कोशिश, 2 गिरफ्तार

शाहजहांपुर. उत्तर प्रदेश के शाह-जहांपुर जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है. खुटार थाना क्षेत्र में दो मुस्लिम युवकों पर एक नाबालिग हिंदू लड़की को प्रेमजाल में फंसा कर जबरन धर्म परिवर्तन और निकाह के लिए दबाव डालने का आरोप लगा है. बताया जा रहा है कि आरोपी बहारे और छोटू उर्फ जाने आलम ने अपना धर्म छुपाकर लड़की से दोस्ती की. कुछ समय बाद दोनों ने लड़की पर धर्म बदलने और शादी करने का दबाव बनाना शुरू कर दिया. जैसे ही यह बात हिंदू संगठनों को पता चली, उन्होंने इसका विरोध किया और पुलिस में शिकायत दी.

नाबालिग लड़की पर धर्म

पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया

तत्काल पुलिस मौके पर पहुंची और एफआईआर दर्ज कर आरोपियों को जेल भेज दिया गया. फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है. अधिकारियों का कहना है कि यह एक गंभीर मामला है और सभी पहलुओं की जांच की जाएगी.

परिवर्तन का दबाव : पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. एसपी राजेश द्विवेदी ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि एक नाबालिग लड़की से अलग धर्म का युवक विवाह का प्रयास कर रहा है.

अब मुंबई अध्यक्ष की बारी

बीजेपी ने किए 58 जिला अध्यक्षों के नाम घोषित

मुंबई. महाराष्ट्र बीजेपी संगठन चुनावों को गति देते हुए मुंबई समेत 58 जिला अध्यक्षों का ऐलान कर दिया है. बीजेपी ने नागपुर महानगर की जिम्मेदारी दयाशंकर तिवारी को सौंपी है. इसी प्रकार पार्टी ने मीरा भाईंदर में दिलीप जैन को पार्टी की कमान दी है. पार्टी ने कल्याण में नंदु परब और उल्लासनगर में राजेश वधारिया को अध्यक्ष बनाया है. पुणे शहर में जिला अध्यक्ष का पद धिरज घाटे को दिया है. महाराष्ट्र में प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी अभी राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले के पास है. पार्टी ने पूर्व मंत्री रवींद्र चव्हाण को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया है. उन्हें ही बावनकुले के उत्तराधिकारी के तौर पर देखा जा रहा है.

कौन बनेगा मुंबई बीजेपी चीफ?

जिला अध्यक्षों के ऐलान के बाद अब मुंबई अध्यक्ष को लेकर चर्चा शुरू हो गई है क्यों प्रदेश प्रमुख बावनकुले की तरह ही आशीष शेलार अब मंत्री है. ऐसे में एक व्यक्ति-एक पद के हिसाब से किसी नए व्यक्ति को कमान सौंपेगी. ऐसे में जब आगे बीएमसी के चुनाव होने हैं तब मुंबई प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव काफी अहम माना जा रहा है. राजनीतिक और क्रिकेट प्रशासक के तौर पर सक्रिय आशीष शेलार अगस्त, 2022 में मुंबई बीजेपी के अध्यक्ष बने थे. आशीष शेलार ने तब मंगल प्रभात लोढ़ा को रिप्लेस किया था. मंगल प्रभात लोढ़ा भी महायुति 2.0 सरकार में मंत्री हैं.

क्या संजय उपाध्याय बनेंगे चीफ?

कांग्रेस में मुंबई प्रदेश अध्यक्ष की कमान डॉ. वर्षा गायकवाड़ के हाथों में है. पार्टी ने अभी तक वर्षा गायकवाड़ को हटाने के संकेत नहीं दिए हैं.अब देखना यह है कि बीजेपी बीएमसी चुनावों से पहले कौन सा दांव खेलती है? राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि संजय उपाध्याय को भी फडणवीस अध्यक्ष की जिम्मेदारी दे सकते हैं. संजय उपाध्याय पूर्व में मुंबई बीजेपी से महासचिव भी रह चुके हैं. इसके अलावा अमित साटम, अतुल भातखलकर और पराग अलवानी के नाम चर्चा में हैं. देवेंद्र फडणवीस के सीएम बनने के बाद बीजेपी की नजर मुंबई में अपना मेयर बनाने पर है.

हम लड़ने को तैयार : CM फडणवीस

पाक का इतिहास, हारने के बाद करता है प्रॉक्सी वार

मुंबई. भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर होने के बाद देश के प्रमुख शहरों की सुरक्षा व्यवस्था और मुस्तैद करने के लिए राज्य सरकार सतर्क हो गई है. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सुरक्षा इंतजामों का मुआयना करने के बाद कहा कि पाकिस्तान का इतिहास रहा है कि जब वह सीधी लड़ाई हार जाता है, तब वह प्रॉक्सी वार करता है, इसलिए हम लोगों को और ज्यादा सतर्क और सावधान रहने का आवश्यकता है, खासकर मुंबई जैसे आर्थिक राजधानी को. मुख्यमंत्री आवास वर्षा पर सीएम देवेंद्र फडणवीस, उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, अजित पवार ने राज्य की मुख्य सचिव सुजाता सौनिक, भारतीय सेना की ओर से लेफ्टिनेंट जनरल पवन चड्ढा, कर्नल संदीप सील, नौसेना की ओर से रियर एडमिरल अनिल जग्गी और नौसेना कमांडर नितेश गर्ग तथा वायुसेना की ओर से एयर

वाइस मार्शल रजत मोहन से चर्चा की. देवेंद्र फडणवीस की बुलाई बैठक में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट, बॉम्बे पोर्ट ट्रस्ट, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज, एंटी-टेरिज्म स्क्वॉड, होमगार्ड के वरिष्ठ प्रतिनिधि, पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला, मुंबई पुलिस आयुक्त देवेन्द्र भारती, नागरी सुरक्षा के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक प्रभात कुमार, खुफिया विभाग के अतिरिक्त पुलिस महानिरीक्षक शिरीष जैन, आपदा प्रबंधन की अतिरिक्त मुख्य सचिव सोनिया सेठी, बीएमसी अधिकारी सहित मुंबई और उपनगरों के जिलाधिकारी सहित दूसरे अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे. पाकिस्तान को उसकी जगह दिखाई बैठक के बाद मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि यह बैठक राज्य सरकार का रक्षा बलों के साथ और अधिक समन्वय बैठाने के लिए किया गया था. हमारी भारतीय सेना के बड़ी वीरता के साथ पाकिस्तान को उनकी औकात दिखाई. भारत के साथ पाकिस्तान ने जब भी सीधी लड़ाई की, उसे करारा जवाब मिला. हार के बाद उसने हमेशा प्रॉक्सी वॉर शुरू किया. यह उसका इतिहास रहा है. इस स्थिति में हमें और अधिक सावधान रहने की आवश्यकता है, इसलिए हमने सेना सहित, सहित कोस्ट गार्ड के अलावा अन्य महत्वपूर्ण विभागों के साथ बैठक की और बैठक में आगे की रणनीति पर चर्चा की गई.

खुफिया सूचनाओं का आदान प्रदान

मुख्यमंत्री फडणवीस ने आगे कहा कि भारतीय सेना ने जिस ताकत और सटीकता के साथ 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया, वह अभूतपूर्व है. मैं भारतीय सैन्य बलों को सैल्यूट करता हूं. मुंबई जैसा शहर अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह भारत की आर्थिक राजधानी है. मुंबई पर हुए पूर्व हमलों के दौरान शत्रुओं ने आर्थिक शक्ति पर वार करने का प्रयास किया था. आने वाले समय में हमें पूरी ताकत से काम करना होगा. उन्होंने आगे कहा कि खुफिया जानकारी का समय पर आदान-प्रदान अत्यंत आवश्यक है और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में सभी एजेंसियों को विशेष सतर्कता बरतनी होगी. राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी और रक्षा बलों के अधिकारी मिलकर एकजुट होकर बेहतर समन्वय से कार्य करेंगे.

फास्ट ट्रैक

फिलीपींस में वसई के दंपति की मौत

मुंबई. महाराष्ट्र के पालघर जिले के एक दंपति की फिलीपींस में छुट्टियां मनाते समय हुई दुर्घटना में मौत हो गई. घटना की जानकारी चर्च के अधिकारियों ने मंगलवार को एक न्यूज एजेंसी को दी. वसई में सेंट थॉमस चर्च के मुख्य पुजारी ने बताया कि गेराल्ड परेरा (50) और उनकी पत्नी प्रिया (46) 10 मई को फिलीपींस के बाडियन में दोपहिया वाहन से जा रहे थे, तभी एक ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी और वे एक इलेक्ट्रिक पोल से जा टकराए.परेरा दंपति वसई के सैंडोर इलाके में रहते थे. इस हादसे में प्रिया की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गेराल्ड गंभीर रूप से घायल हो गए और दक्षिण-पूर्व एशियाई देश के एक अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी भी मौत हो गई. दंपति के परिवार में उनका बेटा और किशोर बेटी हैं. चर्च के अधिकारियों ने बताया कि उनके शवों को वापस लाने के लिए कार्रवाई की जा रही है. वहीं, इस घटना की जानकारी लगते ही पड़ोसी भी सदमे में हैं.

पालघर में गिरफ्तार हुआ मर्डर का आरोपी

पालघर. बीते 15 साल से फरार चल रहे 66 साल के हत्या के आरोपी शख्स को महाराष्ट्र के पालघर जिले से गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी है. पुलिस अधीक्षक (ठाणे ग्रामीण) डॉ. डी.एस. स्वामी ने बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने पिछले सप्ताह वाडा से आरोपी संतोष देहू कुर्हाड़े को गिरफ्तार किया. आरोपी संतोष देहू 15 साल पहले सुरेश रावजी वाघ की पीट-पीटकर की गई हत्या में शामिल था. उन्होंने बताया कि कुर्हाड़े, सुरेश रावजी वाघ की हत्या के सिलसिले में फरार था, जिसकी 5 जून 2009 को पीट-पीटकर जान ले ली गई थी. एसपी ने बताया कि कुर्हाड़े और दो अन्य आरोपियों ने कथित तौर पर विवाद को लेकर पीड़ित पर हमला किया था.

'अखंड हिंदू राष्ट्र कोई दान नहीं देगा, हमें लड़कर लेना होगा'

उद्धव ठाकरे के सामना ने 'सीजफायर' को लेकर कह दी बड़ी बात

मुंबई. शिवसेना यूबीटी का अखबार सामना ने संपादकीय में उद्धव ठाकरे ने पीएम नरेंद्र मोदी पर 'युद्धविराम' को लेकर निशाना साधा है. सामना ने अपने संपादकीय में साफ शब्दों में कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार ने 'सीजफायर' को स्वीकार कर वीर सावरकर के 'अखंड हिंदुस्तान' के सपने को साकार करने का अवसर खो दिया. इसके साथ ही गोडसे की अस्थियों को विसर्जित करने का भी अवसर गंवा दिया. ऐसा इसलिए कि नाथूराम गोडसे की वसीयत में कहा गया है कि उनकी अस्थियों का विसर्जन तभी किया जाना चाहिए जब 'अखंड भारत' का लक्ष्य पूरा हो जाए, लेकिन मोदी सरकार की एक भूल की वजह से 'अखंड भारत' का सपना फिलहाल टूट गया. पीएम मोदी की सरकार ने ऐसी गड़बड़ी क्यों की, इसका जवाब अभी तक नहीं मिला है.

फिलहाल, यह एक रहस्य बना हुआ है. मोदी सरकार ने यह भूल उस समय की है जब पाक अधिकृत कश्मीर को वापस हासिल करने के लिए भारतीय सेनाओं ने वीर सावरकर को श्रद्धांजलि देने की तैयारी शुरू कर दी थी। मोदी और उनके समर्थकों को कौन बताए कि 'अखंड हिंदू राष्ट्र' उन्हें कोई दान में नहीं देगा. उसे लड़कर ही हासिल किया जा सकता है. दरअसल, वीर सावरकर और नाथूराम गोडसे अखंड भारत के पुरोधा थे. प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह, महाराष्ट्र के शिंदे जैसे लोग खुद को सावरकर के अखंड हिन्दुस्तान का समर्थक बताते हैं, लेकिन जब सावरकर और गोडसे का अखंड विचार मूर्त रुप ले रहा था, ठीक उसी समय युद्धविराम स्वीकार कर बीजेपी की सरकार ने अपने ही सपनों पर पानी फेर दिया. अगर चार दिन और युद्ध जारी रहता तो कश्मीर, लाहौर और कराची को भारत में मिलाया जा सकता था, लेकिन वैसा कुछ नहीं हुआ. अब पीएम मोदी के भक्त अपनी खीझ मिटाने के लिए यह बोल रहे हैं कि पीएम ने पाकिस्तान से 'पीओके' वापस करने की मांग की है. साथ ही ये भी कहा जा रहा है कि भारत पाकिस्तान के बीच बातचीत तभी संभव है, जब वो 'पीओके' हमें सौंप दे.

आतंक और व्यापार एक साथ नहीं'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को राष्ट्र के नाम संबोधन में पाकिस्तान को साफ संदेश दिया कि जब तक पाकिस्तान आतंकवादियों का साथ देता रहेगा तब तक उससे कोई बातचीत नहीं होगी. वहीं इस पर उद्धव ठाकरे की शिवसेना की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी की प्रतिक्रिया सामने आई है. उन्होंने कहा कि सभी राजनीतिक दल उनसे सहमत हैं कि आतंक और व्यापार एक साथ नहीं हो सकते. शिवसेना-यूबीटी सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, रप्रधानमंत्री ने पाकिस्तान को लेकर भारत की भविष्य की नीति को बताया है. उन्होंने साफ कहा है कि आतंकिस्तान के साथ कोई बातचीत हो ही नहीं सकती है.

एकनाथ गुट के कदम ने चौंकाया

उद्धव के साथ जाने पर कंफ्यूज हैं राज ?

मुंबई. महाराष्ट्र की राजनीति तब अचानक से गरमा गई थी जब 'ठाकरे बंधु' यानी मनसे राज ठाकरे और शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे के साथ आने की चर्चा शुरू हुई. फिर पता नहीं क्या हुआ कि कुछ ही दिन में इस चर्चा पर फुलस्टॉप लग गया! इसके बाद दोनों भाई यूरोप टूर पर चले गए. हालांकि, संजय राऊत के एक बयान से फिर चर्चा छिड़ गई है.

उद्धव ठाकरे के सांसद संजय राऊत ने राज ठाकरे पर सवाल किया कि जब साथ आने की बात मनसे मुखिया राज ठाकरे ने की थी तो क्या वह कोई पहल कर रहे हैं? अब इस बयान के बाद फिर महाराष्ट्र में ठाकरे ब्रदर्स के साथ आने की अटकलों को हवा मिल गई. अब सवाल यह उठता है कि जब उद्धव ठाकरे पुराने विवाद भूलकर साथ आने की बात कह चुके हैं तो फिर राज ठाकरे गठबंधन को 'वेट एंड वॉच' वाली भूमिका में क्यों हैं? इसको लेकर संजय राऊत ने कहा कि राज ठाकरे ने ही गठबंधन की बातचीत शुरू की थी. इसलिए अब उन्हें ही दोबारा इसकी शुरुआत करनी चाहिए. उद्धव ठाकरे की शिवसेना की प्रतिक्रिया सकारात्मक है. हालांकि, राज ठाकरे, जो कई बार इंटरव्यू में अपने भाई के साथ वापस आने की इच्छा जता चुके हैं, अब इस बात पर कोई टिप्पणी नहीं कर रहे.

अब तक दोनों ठाकरे की तरफ से इसपर क्या बयानबाजी हुई है,

- 19 अप्रैल को एक इंटरव्यू में राज ठाकरे ने पूछा, अगर शिवसेना टूट भी जाए तो क्या हम फिर से एक साथ आ सकते हैं? इस पर उन्होंने उद्धव ठाकरे से समर्थन का आह्वान किया था. राज ठाकरे ने कहा था, महाराष्ट्र बहुत बड़ा है और हमारे बीच झगड़े और विवाद बहुत छोटे. एक साथ आना और साथ रहना बहुत मुश्किल नहीं है. अब सवाल इच्छाशक्ति का है.
- ठीक उसी दिन दादर के छत्रपति शिवाजी मंदिर में आयोजित शिवसेना यूबीटी के एक कार्यक्रम में उद्धव ठाकरे ने राज ठाकरे के बयान पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी थी. उद्धव ठाकरे ने कहा था, "मैं भी छोटे-मोटे विवादों को भूलने के लिए तैयार हूं और मराठी लोगों के हित के लिए एक साथ आने की अपील करता हूं." ऐसा कहते हुए उद्धव ठाकरे ने शर्त रख दी थी. उन्होंने कहा था, आप पहले तय कर लीजिए कि बीजेपी के साथ जाना है या मेरे साथ?
- इसके बाद उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे विदेश दौरे पर चले गए और गठबंधन की चर्चाएं ठंडी पड़ गईं. मनसे के अन्य नेताओं को भी इस मामले पर बोलने से मना कर दिया गया था. सभी नेता यही कहते थे कि राज ठाकरे विदेश से लौटेंगे, तब इस मामले पर बोलेंगे. इस बीच 26 अप्रैल को मनसे-शिवसेना यूबीटी गठबंधन की एक बार फिर चर्चा हुई. राज ठाकरे के एक्स हैंडल से कहा गया, रसमय आ गया है, मराठी अस्मिता की रक्षा के लिए शिवसैनिक मुंबई और महाराष्ट्र के लिए एक साथ आने को तैयार हैं.

भतीजे अजित के साथ दिख रहे पवार

क्या फिर करेंगे बड़ा खेला?

मुंबई. महाराष्ट्र में लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बाद अब स्थानीय निकाय के चुनाव होने हैं. सुप्रीम कोर्ट के रुख को देखते हुए इन चुनावों के इसी साल संपन्न होने की उम्मीद है. ऐसे में जब देशभर में पहलगाम आतंकी हमला और फिर भारत के ऑपरेशन सिंदूर की चर्चा है तब महाराष्ट्र में शरद पवार कुछ बदले अंदाज में दिख रहे हैं. चर्चा हो रही है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) एक हो जाए, हालांकि इन चर्चाओं पर अजित पवार के करीबी प्रफुल्ल पटेल कह चुके हैं कि अभी कोई जरूरत नहीं है, लेकिन पिछले कुछ महीनों में जिस तरह से अजित पवार और शरद पवार की नजदीकी बढ़ी है. उसके बाद कुछ बड़ा होने की अटकलें

तारीफ के साथ दी थी सलाह

शरद पवार हाल ही में कहा था कि राहुल गांधी मेहनती हैं लेकिन देश के मौजूदा हालत में माहौल उनके पक्ष में नहीं है, पवार ने राहुल गांधी को जमीन पर और मेहनत करने की सलाह दी थी. इसी इंटरव्यू में उन्होंने अजित पवार के साथ भी कोई कटुता नहीं दिखाई थी. इतना ही नहीं इंडिया गठबंधन के दिग्गज नेताओं में शामिल शरद पवार देश में 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद बनी स्थिति पर चर्चा करने को लेकर संसद सत्र बुलाने की मांग से असहमति व्यक्त कर चुके हैं.

मुंबई एयरपोर्ट पर तुर्की कंपनी का ठेका रद्द करने का दिया अल्टीमेटम

पाक के मददगार देश पर भड़की शिवसेना

मुंबई. हाल ही में पाकिस्तान ने भारत पर कुछ हमले किए थे. खबर है कि इन हमलों में तुर्की ने पाकिस्तान की मदद की थी. उन्होंने पाकिस्तान को ड्रोन दिए थे. अब शिवसेना ने कहा है कि वे मुंबई में किसी भी तुर्की कंपनी को कारोबार नहीं करने देंगे. इससे भारत में तुर्की के बिजनेस को नुकसान हो सकता है. सोमवार को शिवसेना नेता मुरजी पटेल कुछ कार्यकर्ताओं के साथ MIAL (Mumbai International Airport Limited) के अधिकारियों से मिले. उन्होंने MIAL से कहा कि मुंबई एयरपोर्ट पर ग्राउंड हैंडलिंग का जो काम एक तुर्की कंपनी को दिया गया है, उसे रद्द कर दिया जाए. मुरजी पटेल ने कहा, 'तुर्की ने पाकिस्तान को ड्रोन देकर भारत पर हमला करवाया. हम मुंबई में किसी भी तुर्की कंपनी को कारोबार नहीं करने देंगे. हमने MIAL के CEO से कहा है कि वे तुर्की कंपनी के साथ समझौता रद्द करें. उन्होंने हमें दस दिनों में ऐसा करने का भरोसा

दिया है.' शिवसेना की मुंबई एयरपोर्ट पर एक यूनियन भी है. इसका मतलब है कि एयरपोर्ट के कर्मचारियों में शिवसेना के समर्थक भी हैं. शिवसेना का कहना है कि वे तुर्की की कंपनी को भारत से पैसा कमाने नहीं देंगे, क्योंकि उन्हें लगता है कि तुर्की पाकिस्तान की मदद कर रहा है. भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ रहा है, और ऐसे में तुर्की का पाकिस्तान को सपोर्ट करना शिवसेना को पसंद नहीं आ रहा. मुरजी पटेल ने यह भी बताया कि वे पहले ही पुलिस कमिश्नर से मिल चुके हैं और उन्हें इस बारे में जानकारी दे चुके हैं. उन्होंने आगे कहा कि शिवसेना यह सुनिश्चित करेगी कि महाराष्ट्र में किसी भी तुर्की कंपनी को कोई कॉन्ट्रैक्ट न मिले.

'भारत से कमाकर पाकिस्तान की मदद'

मुरजी पटेल ने आगे कहा, 'मुंबई एयरपोर्ट पर 70% ग्राउंड-हैंडलिंग का काम तुर्की की कंपनी सेलेबी NAS एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया कर रही है. हमने MIAL से कहा है कि हम उन्हें (तुर्की कंपनी) भारत से पैसा कमाने और फिर उस पैसे का इस्तेमाल पाकिस्तान की मदद करने के लिए नहीं करने देंगे. हमने उन्हें दस दिन का समय दिया है.'ग्राउंड-हैंडलिंग का मतलब है एयरपोर्ट पर विमानों और यात्रियों से जुड़े काम, जैसे सामान चढ़ाना-उतारना.

आस | 1971 के भारत-पाक युद्ध में जख्मी

पूर्व सैनिक को 50 साल से जमीन का इंतजार

मुंबई. देश में जारी सेना के शौर्य की चर्चा के बीच बॉम्बे हाई कोर्ट में 50 सालों से ज़मीन के लिए परेशान थल सेना के एक पूर्व सैनिक का मामला सामने आया है. मामला 82 वर्षीय एक्स आर्मी मैन विठोबा परबलकर से जुड़ा है, जिन्होंने 1971 के भारत-पाकिस्तान वार में हिस्सा लिया था. युद्ध के दौरान वे दुश्मन की गोली से ज़ख्मी हो गए थे. सरकार की नीति के तहत वे ज़मीन आवंटन के लिए पात्र हैं. इसके बावजूद उन्हें करीब 50 सालों से स्थायी ज़मीन के मिलने का इंतज़ार है. ज़मीन आवंटन में हो रही टालमटोल से नाराज हाई कोर्ट ने प्रदेश के राजस्व विभाग के अधिकारियों को फटकार लगाई है. सरकार ने 1974 में एक भूखंड दिया था, जिसे कुछ वर्षों बाद यह कह कर वापस ले लिया कि उन्हें गलत ज़मीन आवंटित की गई थी. कुछ

बॉम्बे हाई कोर्ट की अफसरों को फटकार

समय बाद फिर उन्हें एक ज़मीन दिखाई गई, जो अतिक्रमण से भरी थी. यह ज़मीन उन्हें नहीं मिली. इस बीच उन्हें एक और ज़मीन दिखाई गई. यह ज़मीन भी मानगांव नगरपरिषद की अप्पति के बाद नहीं दी गई. ज़मीन आवंटन में सरकारी अधिकारियों की उदासीनता से नाराज परबलकर ने साल 2023 में ऐडवोकेट अविनाश फटांगरे के माध्यम से कोर्ट में याचिका दायर की थी. इन दलीलों पर बेंच ने कहा कि हमें मामले में आभास हुआ है कि न्यायालय को गुमराह किया जा रहा है. कोर्ट को रायगड के अधिकारियों द्वारा धोखा दिया जा रहा है. खासतौर से सर्वे नंबर 166 के भूखंड के संबंध में, जिसके संबंध में हमने आदेश दिया था. हमारा स्पष्ट मत है कि राजस्व अधिकारियों द्वारा न्यायालय के सामने गलत तस्वीर पेश की जा रही है. बेंच ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि यह बाहरी कारणों से हो रहा है. यह हैरानी भरा है कि ज़मीन पर तलाठी कार्यालय है. साथ ही कुछ रिसॉर्ट और नए निर्माण हो रहे हैं. ऐसे में यदि यह वन भूमि होती तो निर्माण नहीं किया जा सकता था. यह और भी चौकाने वाला है कि अधिकारियों को भूमि की स्थिति के विकास के बारे में पता ही नहीं है.

वन भूमि की ज़मीन बताकर मामला टाला

बॉम्बे हाई कोर्ट बेंच के सामने जब यह मामला सुनवाई के लिए आया तो दो महीने पहले सरकारी अधिकारियों ने ज़मीन देने की हामी भरी. मगर जब दोबारा याचिका सुनवाई के लिए आई तो सरकारी वकील ने बेंच को बताया कि जो ज़मीन देने की हामी भरी गई थी, वह वन भूमि है. इसलिए ज़मीन नहीं दी जा सकती है. इस पर याचिकाकर्ता की ओर से बेंच को बताया कि जिस ज़मीन को वन भूमि बताया जा रहा है, वहां पर सरकारी तलाठी कार्यालय बना हुआ है. उस भूखंड के सर्वे नंबर पर कोयना डैम के प्रभावितों के मकान हैं. एक रिसोर्ट का काम भी जारी है.

सैनिक ने अपना जीवन समर्पित किया'

जस्टिस गिरीश कुलकर्णी और जस्टिस अद्वैत सेठना की बेंच ने कहा कि राजस्व विभाग के अधिकारियों ने मामले से जुड़े सीनियर सिटिजन के साथ उचित व्यवहार नहीं किया है, जो पहले सेना में सेवारत थे और देश के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया. बता दें कि महाराष्ट्र सरकार ने युद्ध में शहीद और ज़ख्मी होने वाले सैन्यकर्मियों के लिए 1971 में ज़मीन आवंटन की नीति बनाई थी. महाराष्ट्र के रायगड जिले निवासी परबलकर ने 1973 में सरकार की नीति के तहत ज़मीन के लिए आवेदन किया था.

BMC चुनाव से पहले शिवसेना यूबीटी को बड़ा लगा झटका

उद्धव के करीबी नेता की बहू ने छोड़ी पार्टी

मुंबई. बीएमसी चुनाव से पहले शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट को बड़ा झटका लगा है. ठाकरे परिवार से अच्छे संबंध रखने वाले विनोद घोसालकर की बहू तेजस्वी घोसालकर ने शिवसेना यूबीटी से इस्तीफा दे दिया है. बताया जा रहा है कि स्थानीय नेतृत्व से असंतोष के कारण उन्होंने इस्तीफा दिया. उनके ससुर विनोद घोसालकर उत्तर मुंबई में शिवसेना यूबीटी का चेहरा हैं और ठाकरे परिवार से उनके निजी संबंध हैं. तेजस्वी दिवंगत शिवसेना (यूबीटी) पार्षद अभिषेक घोसालकर की पत्नी हैं, जिनकी फरवरी 2024 में फेसबुक लाइवस्ट्रीम के दौरान व्यवसायी मौरिस नोरोन्हा ने गोली मारकर हत्या कर दी थी, जो उनसे रंजिश रखते था. अपने इस्तीफे में तेजस्वी ने स्थानीय नेतृत्व पर

नाराजगी जताई है. वह शिवसेना यूबीटी के लिए दहिसर विधानसभा की महिला शाखा की प्रभारी थीं. उन्होंने अपना इस्तीफा ब्लॉक प्रभारी को व्हाट्सएप के जरिए भेजा. सूत्रों के अनुसार वह भाजपा या शिवसेना शिंदे गुट में शामिल हो सकती हैं. आगामी बीएमसी चुनावों के मद्देनजर शिवसेना यूबीटी को अपनी पार्टी को एकजुट रखने के लिए कठिन चुनौती का सामना करना पड़ रहा है.

तेजस्वी को इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए मातोश्री बुलाया गया और पार्टी पदाधिकारियों ने उन्हें अपना इस्तीफा वापस लेने के लिए मनाने का प्रयास किया. बताया जा रहा है कि तेजस्वी घोषालकर ने कई बार पार्टी फोरम पर अपनी नाराजगी व्यक्त की थी, इसके बावजूद उनकी शिकायतों पर कोई संज्ञान नहीं लिया गया, जिसके बाद उन्होंने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है. तेजस्वी घोषालकर के पति अभिषेक घोषालकर की 2024 की शुरुआत में मुंबई के बोरीवली इलाके में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. उनको गोली मारने वाले 47 वर्षीय मॉरिस नोरोन्हा ने बाद में आत्महत्या कर ली थी.

ईसाई धर्म से क्या है करीना कपूर का रिश्ता

बॉलीवुड की जानी-मानी एक्ट्रेस करीना कपूर खान ने हिंदू परिवार में पैदा होने के बावजूद दूसरे धर्म में शादी की थी. कपूर परिवार की लाडली ने तलाकशुदा मुस्लिम अभिनेता सैफ अली खान से शादी रचाई थी. शादी के बाद एक्ट्रेस का नाता मुस्लिम धर्म से भी जुड़ गया था, लेकिन आप ये नहीं जानते होंगे कि करीना का रिश्ता ईसाई धर्म से भी है और इसका खुलासा उनकी एक करीबी महिला ने किया था.. अब आप सोच रहे होंगे कि हिंदू और मुस्लिम धर्म से तो उनका संबंध समझ में आता है, लेकिन उनका ईसाई धर्म से क्या ताल्लुक है? तो आपको बता दें कि एक्ट्रेस की मां और गुजरे जमाने की अभिनेत्री बबीबा एक ब्रिटिश क्रिश्चियन थीं. इस वजह से करीना का भी इस धर्म की तरफ झुकाव था. बबीता गुजरे जमाने की मशहूर एक्ट्रेस रही हैं. उन्होंने राज कपूर के सबसे बड़े बेटे और अभिनेता रणधीर कपूर से शादी की थी. रणधीर जहां पंजाबी हिंदू परिवार से थे तो वहीं बबीता क्रिश्चियन धर्म को मानती थीं. शादी के बाद दोनों दो बेटियों करिश्मा कपूर और करीना कपूर के पैरेंट्स बने. हिंदू परिवार में जन्म लेने और मुस्लिम अभिनेता से शादी करने के अलावा करीना की लाइफ में क्रिश्चियन धर्म का भी खास स्थान रहा. करीना के इस धर्म से जुड़ाव का खुलासा करीना के बड़े बेटे तैमूर अली खान की नैनी रह चुकीं ललिता डिसिल्वा ने पिंकविला को दिए इंटरव्यू के दौरान किया था. ललिता ने करीना को लेकर कहा था, "करीना कपूर ईसाई धर्म को मानती हैं, लेकिन, मुझे कहती थीं कि 'आपको अच्छा लगता है भजन लगाना है तो आप भजन लगाइए'. मैं उनके (तैमर और जेह) लिए भजन बजाती थी. फिर करीना कहती थीं कि पंजाबी भजन, इक ओंकार, वह उसी को फॉलो करती थीं, तो वो लगा देते थे. क्योंकि वह जानती हैं कि ये पॉजिटिविटी होना जरूरी होती है बच्चों के आस-पास. ठीक है ये आपकी चॉइस होती है...लेकिन बच्चों को अगर शुरुआत से पॉजिटिव वाइब्स से घेरे रखो तो वो पॉजिटिविटी उनमें अपने आप आ जाती है."

अनोखे अंदाज में रिलीज होगा 'सितारे जमीन पर' का ट्रेलर

आमिर खान की वापसी को लेकर माहौल सेट है. उनकी अपकमिंग फिल्म सितारे ज़मीन पर 20 जून को आएगी. जिसके ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है. बीते दिनों खबर आई थी कि ट्रेलर को भारत-पाकिस्तान टेंशन के बीच पोस्टपोन कर दिया गया है. अब फैन्स को एक गुड न्यूज मिल गई है. फिल्म का ट्रेलर 13 मई यानी आज आ रहा है. लेकिन मेकर्स ने ट्रेलर को रिलीज करने का अनोखा तरीका निकाला है. लोग कब और कितने बजे ट्रेलर देख सकते हैं? पता लग गया है. आमिर खान प्रोडक्शंस ने कुछ देर पहले एक वीडियो शेयर किया था. जिसमें आमिर खान के साथ कौन-कौन फिल्म में दिखेंगे, उनका एक कटआउट है. साथ ही फिल्म के ट्रेलर के लिए कोई बड़ा इवेंट नहीं

रखा जा रहा है. बल्कि एक साथ एक ही वक्त पर सभी लोग फिल्म के नए ट्रेलर को देख सकते हैं. आमिर खान प्रोडक्शंस की तरफ से मिली जानकारी के मुताबिक, 'सितारे जमीन पर' का ट्रेलर 13 मई यानी आज रात को रिलीज होगा. जिसे जी नेटवर्क चैनल्स पर 7:50 से 8 बजकर 10 मिनट तक दिखाया जाएगा. वहीं आमिर खान प्रोडक्शन के सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म का ट्रेलर 8:20 बजे तक शेयर कर दिया जाएगा.

आमिर खान की 'तारे जमीन पर' साल 2007 में रिलीज हुई थी. फिल्म में एक इमोशनल स्टोरी दिखाई गई थी. जिसके सालों बाद दूसरा पार्ट बनाया जा रहा है. हालांकि, इस बार फिल्म में खूब हंसी मजाक देखने को मिलेगा. जिसकी जानकारी आमिर खान ने ही काफी पहले दे दी है. फिल्म में कोई इमोशनल कहानी नहीं है. लेकिन उम्मीद है कि यह अच्छी कमाई करेगी, जो उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट्स के लिए काफी जरूरी भी है. सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म के पहले पार्ट ने दुनियाभर से 98.5 करोड कमाए थे, साथ ही सुपरहिट रही थी.

'इंडियाज गॉट लेटेंट विवाद' के समय रैना का कमबैक

इंडियाज गॉट लेटेंट' विवाद के समय रैना ने सोशल मीडिया और पब्लिक अपीयरेंस से खुद को दूर कर लिया था. अब इस विवाद के तीन महीने बाद समय शानदार वापसी के लिए तैयार है. समय ने सोशल मीडिया के जरिए अपने यूएस टूर की अनाउंसमेंट की है और अपने इस गुजरे हुए मुश्किल दौर को जिंदगी का सबसे बड़ा इम्तिहान बताया है.

समय रैना ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें उन्होंने अलग-अलग देशों में किए गए अपने टूर की झलकियां दिखाई हैं. इसके साथ ही उन्होंने बताया है कि उनका टूर 5 जून को कोलन से शुरू होगा और 20 जुलाई को सिडनी में खत्म होगा. इस टूर के तहत समय यूरोप, यू.के., ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में परफॉर्म करेंगे.'समय रैना ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की है जिसमें उन्होंने अपने टूर का पूरा शेड्यूल शेयर किया है. इसके बाद अगली स्टोरी में लिखा है- 'मेरी जिंदगी का सबसे मुश्किल दौर बेहतरीन कॉमेडी के लिए बना है.' मिलते हैं टूर पर. समय ने आगे लिखा- 'हमने टिकटिंग वेबसाइट क्रैश कर दी है, कुछ समय में सब ठीक हो जाएगा दोस्तों.'बता दें कि समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' को लेकर फरवरी 2025 में काफी हंगामा हुआ था. शो में पेरेंट्स की पर्सनल लाइफ पर विवादित बयान देने के चलते समय रैना, रणवीर इलाहाबादिया और अपूर्वा मखीजा समेत कई कलाकारों पर मामले दर्ज हुए थे.

सूट, साड़ी और गाउन में जाएंगी एंक्ट्रेस?

कान्स फिल्म फेस्टिवल की नई गाइडलाइंस आई सामने

फैशन और फिल्मों के बड़े-बड़े दिग्गजों का मेला एक बार फिर लगने वाला है। कान्स फिल्म फेस्टिवल आज यानी 13 मई से शुरू होने जा रहा है। इसमें बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड इंडस्ट्री का जलवा हमेशा दिखाई देता है। अब इस बड़े इवेंट के शुरू होने से पहले ही कुछ गाइड-लाइंस जारी कर दी गई हैं। जिन्हें हर कोई फॉलो करेगा। इसमें कोई छोटा या बड़ा नहीं बल्कि ये गाइडलाइंस सभी के लिए बराबर होंगी। अब इस गाइडलाइन की बात करें तो कान्स रेड कार्पेट पर न्यूडिटी और हैवी ओवरसाइज़्ड आउटफिट्स को बैन कर दिया गया है।

कांस फिल्म फेस्टिवल में अक्सर स्टार्स के लुक बेहद शानदार होते हैं, लेकिन कई बार खुद को अलग दिखाने की होड़ में स्टार्स अश्लीलता और बड़ी ट्रेन यानी पीछे से काफी ज्यादा दूर पर फैली हुई ड्रेस भी कैरी करते हैं। जिसकी वजह से काफी दिक्कतों को सामना करना पड़ता है। अब नई गाइडलाइन्स जारी करते हुए कुछ फिल्टर लगाए गए हैं अश्लीलता भरी ड्रेस और बड़ी ट्रेन ड्रेस पर प्रतिबंध लगाया गया है। अब सभी सितारों को इसी गाइडलाइंस के मध्यनजर तैयार होना होगा और इसी के मुताबिक अपनी ड्रेस पहननी होगी।कान्स फिल्म फेस्टिवल की नई गाइडलाइन का मकसद फैशन को कंट्रोल करना नहीं है। सिर्फ न्यूडिटी और रेड कार्पेट पर भारी भरकम आउटफिट्स से होने वाली दिक्कतों को खत्म करना है। ताकि सभी रेड कार्पेट पर आराम से पोज दे सकें। वहीं, कान्स फेस्टिवल की तरफ से कहा गया है कि इस बार ड्रेस कोड काफी एक्साइटेड होने वाले हैं।

कान्स फिल्म फेस्टिवल की टिकट बुकिंग हुई शुरू

78वें कान फिल्म फेस्टिवल के टिकट की बुकिंग शूरू हो चुकी है। सोर्स की माने तो इस बार बालकनी टिकट 5,750 यूरो से लेकर 8,950 यूरो तक रहने वाला है। वहीं भारतीय रुपयों के हिसाब से यह टिकट 1,32, 892 .22 लाख से लेकर 8,42, 311.35 लाख रुपये तक होने वाला है। वहीं अधिकतम टिकट का प्राइज इस बार 21 लाख से भी ऊपर है।

इब्राहिम अली खान ने अपने स्वास्थ्य से जुड़ा खुलासा किया

सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान ने हाल ही में अपने स्वास्थ्य से जुड़ा एक अहम खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि वह जन्म से ही बोलने और सुनने की समस्या से जूझ रहे हैं। इस परेशानी की वजह उन्होंने पैदा होते ही हुए पीलिया को बताया, जिसने उनके विकास पर असर डाला।

इब्राहिम ने बताया कि इस समस्या से निपटने के लिए वह थेरपिस्ट की मदद ले रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह सफर आसान नहीं रहा, लेकिन वह इस पर लगातार मेहनत कर रहे हैं और पॉजिटिव सोच के साथ आगे बढ़ रहे हैं। इब्राहिम के खुलासे के बाद लोगों ने उनकी हिम्मत और संघर्ष को सलाम किया। एक यूजर ने लिखा, "इब्राहिम का जज्बा और मेहनत वाकई सराहनीय है।"

इब्राहिम का यह खुलासा उनके प्रति लोगों के सम्मान को और बढ़ा गया है और यह दिखाता है कि स्टार किड्स भी चुनौतियों का सामना कर मेहनत से आगे बढ़ते हैं।

इब्राहिम अली खान ने हाल ही में नेटफ्लिक्स फिल्म 'नादानियां' से बॉलीवुड में कदम रखा। इस फिल्म में उनके साथ खुशी कपूर भी नजर आई थीं। हालांकि फिल्म को दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली, कुछ लोगों ने एक्टिंग को लेकर उन्हें ट्रोल भी किया। स्टार किड्स की बात कही गई लेकिन इब्राहिम इससे बिल्कुल भी निराश नहीं हैं। उनका कहना है कि यह तो सिर्फ शुरुआत है, और वह खुद को लगातार बेहतर बनाने में जुटे हैं।

बता दें इब्राहिम दो बड़ी फिल्मों में नजर आने वाले हैं। पहला 'सर-जमीन' और दूसरा 'दिलेर'। फिल्म सरजमीन में वह काजोल और पृथ्वीराज सुकुमारन जैसे अनुभवी कलाकारों के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। वहीं, दिलेर में उनकी जोड़ी साउथ की फेमस एक्ट्रेस श्रीलीला के साथ बनेगी।

इब्राहिम अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर बेहद उत्साहित हैं और इन फिल्मों के जरिए अपनी एक्टिंग स्किल्स को और भी निखारना चाहते हैं। फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने के साथ ही वह मेहनत और समर्पण से अपने लिए एक अलग पहचान बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

'झनक' से बाहर होंगी हिबा नवाब

टेलीविजन इंडस्ट्री में कई सारे ऐसे सीरियल बनाए जाते हैं, जो लोगों के दिलों में खास जगह बना लेते हैं. उन्हीं में से एक कहानी झनक की भी है, जिसमें लीड रोल में हिबा नवाब और कुशाल आहूजा हैं. इस सीरियल को काफी सारे लोग पसंद करते हैं. हालांकि, अब इस सीरियल की कहानी में बड़ा बदलाव होने जा रहा है, जिसके चलते खबर आ रही है कि हिबा भी शो से जल्द ही अलविदा कहने वाली हैं.

झनक के मेकर्स सीरियल में बड़ा बदलाव लाने के लिए 20 साल का लीप लाने वाले हैं. लीप की वजह से काफी सारे बदलाव होने वाले हैं, हालांकि शो से जुड़ी नई रिपोर्ट के मुताबिक, बताया जा रहा है कि हिबा नवाब अब इस शो का हिस्सा नहीं होगी. हालांकि, इस खबर से झनक के साथ ही साथ हिबा के फैंस को भी झटका लगा है. हिबा के साथ ही साथ शो के और भी कई सारे एक्टर्स शो से बाहर होने वाले हैं. हिबा ने पोर्टल से शो के बारे में बात करते हुए इस बात की कंफर्मेशन दी है कि वो इस सो को छोड़ रही हैं. हिबा ने कहा, 'झनक में लीप आने वाला है, लीप आने के बाद मैं इस शो का हिस्सा नहीं हूं. आने वाले वक्त में शो के किरदारों की बढ़ती उम्र दिखाई जाएगी, ऐसे में शो के मेकर्स ने कुशाल अहूजा, हिबा और चांदनी शर्मा को शो से बाहर होने के लिए कह दिया है.

हाल ही में इंडिया फोरम की रिपोर्ट में शो के लीप की पुष्टि की थी. हालांकि, झनक के किरदार में लोग हिबा को काफी पसंद करते थे. ये खबर सामने आने के बाद से फैंस में निराशा फैल गई है. इस शो के जरिए हिबा ने लोगों के बीच अपनी कमाल की पहचान बनाई है. हालांकि, शो में लीप आने के बाद से ये देखना काफी मजेदार होने वाला है कि मेकर्स का ये नया ट्विस्ट लोगों को पसंद आता है भी या नहीं.

मोनालिसा अब उत्कर्ष सिंह के साथ चमकाएंगी भविष्य

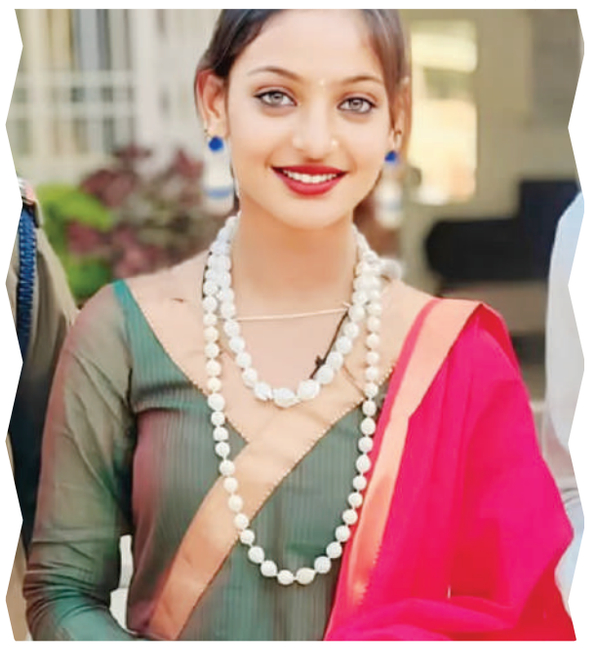

महाकुंभ मेले से फेमस हुई मोनालिसा अक्सर सुर्खियों में बनी ही रहती है। कहा जाता है कि लोग महाकुंभ पाप धोने जाते हैं, उसी मेले में मोनालिसा की किस्मत ऐसी चमकी की वह सीधा एक माला बेचने वाली लड़की से बॉलीवुड की एक्ट्रेस बन बैठीं। डायरेक्टर सनोज मिश्रा ने सबसे पहले उन्हें फिल्म ऑफर की थी इसके बाद वह रेप केस में जेल चले गए और फिर मोनालिसा को सिंगर उत्कर्ष सिंह का साथ मिला। जिन्होंने उन्हें अपनी नई एल्बम में काम दिया और इंडस्ट्री में कदम रखने का एक स्पेशल मौका दिया। अब उसी एल्बम की शूटिंग के लिए मोनालिसा मुंबई आई हुई हैं। इस दौरान वह कई इवेंट में शामिल हुईं और उनका अब मुंबई से ही एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें वह फेरी में बैठकर खूब मस्ती कर रही है। मोनालिसा को जब से फिल्म बंद होने के बाद एल्बम मिली है, वह तब से सोशल मीडिया क्वीन बनती जा रही हैं। उनके इंटरव्यू से लेकर मुबई में उनकी फोटो क्लिक करने के लिए पैपराजी बेताब दिखे। साथ ही कई सेलिब्रिटी ने भी मोनालिसा से मुलाकात की। अब जो वायरल गर्ल का वीडियो वायरल हो रहा है। उसमें वह फेरी पर राइड करती नजर आ रही हैं और काफी खुश दिखाई दे रही हैं। इसमें उनके साथ कई लोग नजर आए। चुप-चुप सी रहने वाली मोनालिसा का इस वीडियो में एक अलग ही अंदाज देखने को मिला। चुप-चुप सी रहने वाली मोनालिसा हंसते- खिलखिलाते हुए कितनी मस्ती करती हैं यह इस वीडियो में नजर आया।

38 साल मैंने उसे झेला है, लेकिन अब वो मेरी नहीं सुनता

सुनीता आहूजा और गोविंदा के घर की बातें एक बार फिर सुर्खियों में हैं। सुनीता आहूजा ने एक बार फिर गोविंदा और उनकी संगती उनके दोस्तों पर सवाल उठाए हैं। सुनीता का कहना है कि गोविंदा 90s के राजा थे। बॉक्स ऑफिस पर उनकी फिल्मों का जलवा ही अलग था और अब वह घर पर बेरोजगार बैठे हैं उनके पास कोई काम नहीं है। मैं और मेरे बच्चे एक बार फिर गोविंदा को स्क्रीन पर देखने के लिए बेताब हैं। मैं हमेशा गोविंदा को कहती हूं कि अब आप घर पर क्यों बैठे हो? सुनीता आहूजा ने जूम को एक इंटरव्यू में ये बातें कही हैं। सुनीता आहूजा ने बातचीत में गोविंदा के काम पर ज्यादा फोकस किया। उन्होंने कहा, "मैं हमेशा गोविंदा से कहती हूं कि आप एक लैजेंड स्टार हो। आप 90s के राजा थे। आज के बच्चे भी आपके गानों पर डांस करते हैं। फिर आप घर पर क्यों बैठे हैं? आपके उम्र के बाकी एक्टर अनिल कपूर, सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ सब काम कर रहे हैं। आप क्यों नहीं?"

जिस कंपनी में आप हो, वो आपकी सिर्फ हां में हां मिलाते हैं। वे आपको सही रास्ता नहीं दिखा रहे है।सुनीता आहूजा ने आगे कहा," गोविंदा तो हर किसी की मदद भी करते हैं, लेकिन कोई उन्हें सच नहीं बताता। मैं अक्सर गोविंदा को कहती हूं कि अच्छे लोगों के साथ उठो बैठो। हमें बहुत दुख होता है कि इतना बड़ा कलाकार घर पर बैठा है। वह आज भी 90s की सोच में अटके हुए हैं और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर काम करने से मना कर चुके हैं।

'लिटिल थॉमस' का जलवा इंटरनेशनल अवॉर्ड्स में

अनुराग कश्यप को तीन बड़ी नॉमिनेशन

अनुराग कश्यप के प्रोडक्शन में बनी फिल्म 'लिटिल थॉमस' ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। फिल्म को 25वें न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल में तीन प्रमुख कैटेगरी बेस्ट एक्टर, बेस्ट एक्ट्रेस और बेस्ट डायरेक्टर के लिए नॉमिनेट किया गया है। इस फिल्म में रसिका दुग्गल और गुलशन देवैया ने मुख्य भूमिकाएं निभाई हैं, जबकि निर्देशन की कमान कौशल ओजा ने संभाली है। 'लिटिल थॉमस' को इसकी प्रभावशाली कहानी, बेहतरीन अभिनय और संवेदनशील निर्देशन के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खूब सराहा जा रहा है। 'लिटिल थॉमस कौशल ओजा की पहली फीचर फिल्म है। उन्हें अपने पहले ही प्रयास में बड़ी सफलता और पहचान मिली है। यह फिल्म एक कॉमेडी-ड्रामा है। इसकी कहानी एक सात साल के बच्चे के इर्द-गिर्द घूमती है, जो यह कोशिश करता है कि उसके मां-बाप फिर से एक हो जाएं और उसका एक छोटा भाई इस दुनिया में आए। 'लिटिल थॉमस' में रसिका दुग्गल 'जेसी मिरांडा' नाम की लड़की का किरदार निभा रही हैं। इस मौके पर उन्होंने कहा कि उन्हें इस फिल्म के लिए नॉमिनेशन मिलने की बहुत खुशी है।

उन्होंने कहा, "मैं आभारी हूं कि मेरे काम को पहचाना और सराहा जा रहा है। मैं बेसब्री से उस पल का इंतजार कर रही हूं जब इसे फिल्म फेस्टिवल में दिखाई जाएगा। साथ ही यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि उस वक्त दर्शकों की प्रतिक्रिया कैसी होगी, क्योंकि फिल्म फेस्टिवल्स के दर्शक बहुत समझदार और परखने वाले होते हैं, इसलिए जब उन्हें कोई काम पसंद आता है तो वह एक बहुत ही खास एहसास होता है।"

राष्ट्रबाणी
विदर्भ VISION
।। धर्मो रक्षति रक्षितः ।।

तापमानः नागपुर, अधिकतम 39.1°C न्यूनतम 26.0°C

नागपुर, बुधवार, 14 मई 2025

गडचिरोली के बारूदी सुरंगों वाले जंगल में 200 C-60 कमांडो का खतरनाक ऑपरेशन

नक्सलियों का हेडक्वार्टर तबाह

गडचिरोली. गडचिरोली पुलिस के 200 खास C-60 कमांडो ने एक बड़ा ऑपरेशन किया. उन्होंने अबूझमाड़ में माओवादियों के हेडक्वार्टर पर हमला किया. यह हमला सुबह 6:30 बजे हुआ. कमांडो ने माओवादियों के एक अहम कैंप को तबाह कर दिया. दोनों तरफ से दो घंटे तक खूब गोलियां चलीं. यह ऑपरेशन महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ बॉर्डर के खतरनाक जंगल और पहाड़ी इलाके में हुआ. इससे माओवादियों के Tactical Counter Offensive Campaigns (TCOC) को बड़ा झटका लगा है. माओवादी TCOC के ज़रिये इलाके में तबाही करना चाहते थे.
जंगल में खून के धब्बे मिले हैं. इससे पता चलता है कि माओवादियों को भारी नुकसान हुआ है. हालांकि, बचे हुए माओवादी अपने साथियों के शवों को खींचकर ले गए. अभी यह साफ नहीं हो पाया है कि कितने माओवादी मारे गए हैं या घायल हुए हैं. कमांडो ने माओवादी कैंप को घेरने की पूरी कोशिश की. लेकिन, एक तरफ खड़ी चट्टान की वजह से उन्हें परेशानी हुई. चट्टान की वजह से एक छोटा सा रास्ता खुला रह गया.

गडचिरोली में माओवाद खात्मे की ओर

गडचिरोली पुलिस के रिकॉर्ड के मुताबिक, जिले में माओवादियों की संख्या काफी कम हो गई है. अब सिर्फ 30 हथियारबंद कैडर और 15 लॉजिस्टिक्स और सप्लाई टीम के सदस्य ही बचे हैं. भामरागढ़ दलम और कंपनी नंबर 10 ही इलाके में बचे दो अहम गुरिल्ला संगठन हैं. अधिकारी ने कहा कि हमने इनमें से एक संगठन को लगभग खत्म कर दिया है. इससे हम गडचिरोली में माओवादी खतरे को खत्म करने के और करीब पहुंच गए हैं. यह ऑपरेशन गडचिरोली पुलिस के माओवादी विद्रोह के खिलाफ लगातार चलाए जा रहे अभियान का नतीजा है. C60 कमांडो ने बारूदी सुरंगों से भरे और घने जंगलों वाले अबूझमाड़ में घुसकर अपनी बहादुरी और रणनीति का शानदार प्रदर्शन किया है. अबूझमाड़ लंबे समय से माओवादियों का गढ़ रहा है.

पूरी तैयारी के साथ उतरी टीम

गडचिरोली पुलिस ने माओवादियों के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल की है. उन्होंने अबूझमाड़ में माओवादियों के हेडक्वार्टर पर हमला करके उनके एक अहम कैंप को तबाह कर दिया है. यह इलाका माओवादियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण था. यहां से वे अपनी गतिविधियों को चलाते थे. इस ऑपरेशन से माओवादियों को बड़ा झटका लगा है. पुलिस ने यह ऑपरेशन बहुत ही सावधानी से किया. उन्होंने पहले पूरी जानकारी जुटाई और फिर योजना बनाई. इसके बाद 200 C-60 कमांडो ने मिलकर इस ऑपरेशन को अंजाम दिया. कमांडो ने सुबह 6:30 बजे माओवादियों के कैंप पर हमला किया. दोनों तरफ से दो घंटे तक गोलियां चलीं. यह इलाका महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के बॉर्डर पर है. यहां जंगल और पहाड़ हैं, जिससे यह बहुत खतरनाक है.

भारी मात्रा में मिले हथियार

मुठभेड़ वाली जगह की तलाशी लेने पर भारी मात्रा में हथियार और सामान मिला. इससे पता चलता है कि ऑपरेशन सफल रहा. कमांडो ने एक INSAS सेल्फ-प्रोपेल्ड राइफल, एक सिंगल-शॉट राइफल, एक मैगजीन, एक डेटोनेटर, एक रेडियो, तीन रकसैक, दो वॉकी-टॉकी, दो वॉकी-टॉकी चार्जर और माओवादी साहित्य का एक बड़ा जखीरा बरामद किया. बरामद हुए सामान से पता चला कि माओवादी TCOC रणनीति के तहत घात लगाकर हमला करने और दूसरे विध्वंसक काम करने की योजना बना रहे थे. इस ऑपरेशन से माओवादी कैंप भी तबाह हो गया. इससे उनकी काम करने की क्षमता और कमजोर हो गई है. एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने कहा कि स्पेशल ऑपरेशंस टीम के कमांडो ने माओवादियों को पीछे धकेलने और उनके बेस को तबाह करने में बहुत अच्छा काम किया है.

चट्टान बनी माओवादियों के लिए वरदान

गडचिरोली के एडिशनल एसपी यतीश देशमुख ने कहा कि हमने उन्हें 3 तरफ से घेर लिया था. लेकिन, खड़ी चट्टान की वजह से उन्हें चमत्कारिक ढंग से भागने का मौका मिल गया. उन्होंने बताया कि देर शाम तक माओवादियों के नुकसान का पता नहीं चल पाया था. यह ऑपरेशन शाम को शुरू हुआ. पुलिस को खबर मिली थी कि भामरागढ़ लोकल ऑर्गनाइजेशनल स्क्वाड (दलम) के हथियारबंद माओवादी, छत्तीसगढ़ बॉर्डर से 200 मीटर दूर बने नए कवांडे पोस्ट के पास हैं. एडिशनल सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस (एडमिनिस्ट्रेशन) एम रमेश के नेतृत्व में स्पेशल ऑपरेशन टीम ने अबूझमाड़ के बारूदी सुरंगों से भरे जंगलों में माओवादियों को ढूंढा. सुबह होते ही गोलियां चलने लगीं. कम से कम 15 माओवादियों ने सदर जंगल इलाके में तीन अलग-अलग जगहों पर कमांडो पर गोलियां बरसाईं. C-60 यूनिट ने रात भर घात लगाकर हमला किया था. उन्होंने तुरंत जवाबी कार्रवाई की और दो घंटे तक माओवादियों से जमकर मुकाबला किया. माओवादियों ने खुली चट्टान का फायदा उठाया और घने जंगलों में भाग गए.

वाशिम में हिंसा

2 गुटों को बीच जमकर पथराव

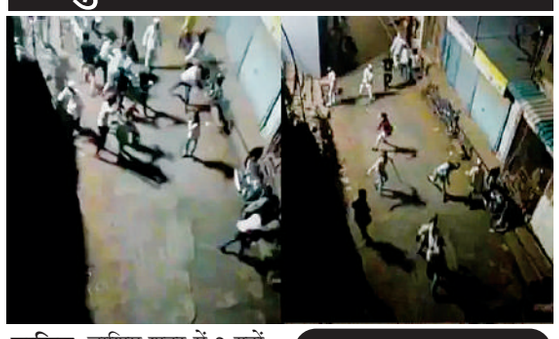

वाशिम. वाशिम शहर में 2 गुटों के बीच पथराव हुआ है, जिसमें कई लोग घायल हो गए हैं. बताया जा रहा है कि शहर के पाटणी चौक क्षेत्र में देर रात 2 गुटों के बीच विवाद हुआ था, बात इतनी बिगड़ गई कि दोनों पक्षों के बीच पथराव की नौबत आ गई. पाटणी चौक में हुई घटना का असर बागवानपुरा, डंडे चौक और गणेशपेठ जैसे इलाकों में भी देखने को मिला. तनाव को देखते हुए इलाके में भारी फोर्स तैनात कर दी गई है. देर रात करीब 11 बजे कुछ असामाजिक तत्वों ने घरों और वाहनों पर पथराव कर दिया. मौके पर पहुंची पुलिस ने हालात पर काबू पाया. पुलिस अधीक्षक अनुज तारे ने इलाके का जायजा लिया. साथ ही प्रशासन ने नागरिकों से किसी भी तरह अफवाहों पर ध्यान न देने और शांति बनाए रखने की अपील की है. इसके अलावा, जनवरी में महाराष्ट्र के नंदुरबार में दो समूहों के बीच पथराव और आगजनी हुई थी. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना नंदुरबार सिटी पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर घटी थी. यहां एक ऑटो रिक्शा और बाइक के बीच मामूली टक्कर हुई थी, इसके बाद स्थिति बिगड़ गई, जिससे क्षेत्र में अशांति फैल गई. कुछ व्यक्तियों ने आगजनी और पत्थरबाजी का प्रयास किया, जिसके कारण नंदुरबार पुलिस को त्वरित कार्रवाई करनी पड़ी. आगजनी-पत्थरबाजी करने वाले कथित तौर पर सामाजिक कार्यकर्ता थे.

तोड़फोड़, तनाव के बाद भारी पुलिस फोर्स तैनात

घायलों को अस्पताल में कराया गया भर्ती

फिलहाल पूरे क्षेत्र में पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं. साथ ही पुलिस ने पथराव में घायल हुए लोगों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है. शहर में इस समय शांति का माहौल है, लेकिन पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है. इससे पहले, इसी साल मार्च में नागपुर के महल क्षेत्र में 2 गुटों के बीच हिंसा हुई थी. इस हिंसा में उपद्रवियों ने कई गाड़ियों में आग लगा दी और तोड़फोड़ की थी. इस हिंसा की शुरुआत तब हुई, जब दोनों गुटों के बीच तनाव बढ़ा और स्थिति बेकाबू हो गई. पथराव, आगजनी और तोड़फोड़ के कारण इलाके में तनाव फैल गया था.

फास्ट ट्रैक

3 महिलाओं को मारने वाली बाघिन को पकड़ा

चंद्रपुर. चंद्रपुर जिले के प्रादेशिक जंगलों में इस समय महुआ और तेंदूपत्ता की कटाई का मौसम चल रहा है. इसके लिए तीन महिला ग्रामीण सिंदेवाही तहसील के मेंढामाल जंगल में गईं और बाघ के हमले में उनकी मौत हो गई. इसके साथ ही पिछले 72 घंटों में चंद्रपुर जिले में बाघ के हमले में पांच महिलाओं की मौत हो गई है. सिंदेवाही में एक बाघिन द्वारा एक साथ तीन महिलाओं को मार डालने की घटना ने राज्य में हलचल मचा दी थी. वन विभाग ने इलाके में टीमें तैनात कर दी हैं और बाघिन को पकड़ने के लिए अभियान शुरू कर दिया है.इसके तहत वन विभाग की टीम ने डोंगरगांव के जंगलों में इस बाघिन को सफलतापूर्वक पकड़ लिया है. फिलहाल बाघिन की जांच की जा रही है और बाद में उसे जंगल में छोड़ने के संबंध में निर्णय लिया जाएगा.

खानाबदोशों को जल्द भेजें उनके गांव

विधायक सुलभा खोडके की मांग

अमरावती. शहर जहां एक ओर सौंदर्यीकरण के माध्यम से अच्छा स्वरूप और प्रतिष्ठा प्राप्त कर रहा है, वहीं दूसरी ओर शहर के मुख्य चौराहों और अग्रभागों पर आवारा लोगों द्वारा किए गए अतिक्रमण से शहर की सुंदरता प्रभावित हो रही है. शहर के स्कूलों और ऐतिहासिक धरोहरों वाली इमारतों में आवारा लोगों की मौजूदगी से यातायात और सफाई की समस्या भी पैदा हो गई है. इस संबंध में विधायक सुलभा संजय खोडके ने ठोस कदम उठाते हुए शहर के नए कन्या स्कूल क्षेत्र में आवारागर्दी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए मनपा और पुलिस प्रशासन को स्पष्ट निर्देश दिए हैं. शहर का न्यू हाई स्कूल मेन स्कूल और न्यू गर्ल्स स्कूल इस वर्ष अपना शताब्दी समारोह मना रहे हैं तथा संस्थान में विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं. हालाँकि, उस क्षेत्र में खानाबदोश तत्वों का बढ़ता अतिक्रमण एक उपद्रव बनता जा रहा है, तथा इससे परिवहन और सफाई में भी समस्या उत्पन्न हो रही है. इस संबंध में पूर्व में पुलिस विभाग एवं नगर निगम प्रशासन द्वारा कार्रवाई की जा चुकी है.

बहरहाल, हालात जस के तस बने रहने से शहर में खानाबदोशों का बढ़ता अतिक्रमण कई मायनों में खतरनाक होता जा रहा है. विधायक सुलभा खोडके ने मनपा और पुलिस प्रशासन को इस संबंध में तत्काल ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए हैं. इस दौरान विधायक खोडके ने स्थानीय खानाबदोशों से बातचीत करते हुए उन्हें अपने पैतृक गांव लौटने को कहा.

2 बाघों ने बाघिन को निवाला बनाया

चंद्रपुर. जिले में इन दिनों मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाएं बढ़ रही हैं. ऐसे में बाघों के बीच आपसी संघर्ष भी बढ़ता नजर आ रहा है. आवास पर प्रभुत्व स्थापित करने तथा मादा बाघिन पर अधिकार जताने की होड़ में बाघों के बीच घातक झड़पें होती हैं. ताड़ोबा अंधारी व्याघ्र प्रकल्प के रामदेगी क्षेत्र में कल शाम दो बाघों के बीच हुए भीषण संघर्ष में 'ब्रह्मा' नामक बाघ की मौत हो गई, जबकि प्रसिद्ध बाघ 'छोटा मटका' गंभीर रूप से घायल हो गया. रामदेगी क्षेत्र 'छोटा मटका' का निवास स्थान है, लेकिन पिछले कुछ दिनों से इस क्षेत्र में नए बाघ 'ब्रह्मा' की आहट भी बढ़ गई थी. इसके कारण, दोनों के बीच आवास प्रभुत्व और बाघिन अधिकारों को लेकर संघर्ष छिड़ गया. इस झड़प में 'ब्रह्मा' की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 'छोटा मटका' गंभीर रूप से घायल हो गया.

6 दिनों तक बारिश की संभावना

अकोला जिले में बादल छाए

अकोला. अकोला जिले में सोमवार दोपहर बादल छाए रहे. रविवार की तुलना में पारा 0.9 डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया गया. मौसम विभाग ने अगले छह दिनों तक कुछ स्थानों पर बारिश की संभावना जताई है. पिछले साल की तुलना में इस साल फरवरी के अंत में ही सूरज की तपिश महसूस होने लगी. अप्रैल के शुरू से अंत तक तापमान में वृद्धि जारी रही. अकोला में एक महीने में तीन बार राज्य में सबसे अधिक तापमान दर्ज किया गया. मौसम विभाग ने 13 मई से 18 मई के बीच जिले में एक-दो स्थानों पर बारिश की संभावना जताई है. इससे पहले मौसम विभाग ने गुरुवार और शुक्रवार को जिले में बिजली चमकने के साथ बारिश की संभावना जताई थी. अब फिर से बारिश का पूर्वानुमान है.

इस वर्ष तय समय से पहले आएगा मानसून

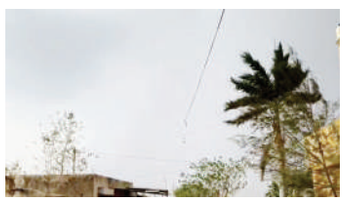

मानसून अब निकोबार द्वीप समूह तक पहुंच गया है. मौसम विभाग ने विदर्भ में मृग नक्षत्र के आगमन की भविष्यवाणी की है. जिले के 482 गांव बाढ़ प्रभावित हैं. नागरिक पूछ रहे हैं कि इन गांवों के लिए आवश्यक उपायों के साथ-साथ विभिन्न विभागों द्वारा मानसून पूर्व तैयारियां कब की जाएंगी. छोटी-बड़ी नदियों और नहरों के किनारे बसे गांव कमोबेश हर साल बाढ़ से प्रभावित होते हैं. इनमें से 11 गांव प्रमुख नदियों से प्रभावित हैं, जबकि 302 गांव छोटी नदियों और जलधाराओं से प्रभावित होने की संभावना है. अमरावती तहसील में 62, तिवासा में 45, भटकुली में 34, दर्यापुर में 48, अंजनगांव में 56, अचलपुर में 57, चांदुरबाजार में 26, चांदूर रेलवे में 6 और धामनगांव तहसील में 27 गांव हैं. इसके लिए प्रशासन द्वारा 700 से अधिक लोगों के लिए अस्थायी आश्रय स्थलों की व्यवस्था की जा रही है. इन गांवों में 1,928 लोग तैर रहे हैं. इसके अलावा 300 से अधिक आपदा मित्र और आपदा मित्र भी हैं.

यवतमाल में लड़कियों का दबदबा

10वीं का रिजल्ट 91.51 फीसदी

यवतमाल. महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्चतर माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आज मंगलवार को घोषित 10वीं की परीक्षा में यवतमाल जिले का रिजल्ट 91.51 फीसदी रहा. जिले से इस परीक्षा के लिए 38 हजार 262 नियमित विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया था. जिसमें से 37 हजार 820 विद्यार्थियों ने 159 केंद्रों से वास्तविक परीक्षा दी. जिसमें से 34 हजार 612 विद्यार्थी पास हुए हैं. 10वीं में 19 हजार 879 बच्चे परीक्षा में शामिल हुए थे. जिसमें से 17 हजार 693 लड़के पास हुए, जबकि 17 हजार 941 लड़कियों में से 16 हजार 919 लड़कियां पास हुई हैं. लड़कों का पास प्रतिशत 89 और लड़कियों का पास प्रतिशत 94.30 है. 10वीं की परीक्षा में भी लड़कियों ने बाजी मारी है. जिले में 12वीं की परीक्षा में भी लड़कियों ने बाजी मारी थी. इस साल 11वीं की प्रवेश प्रक्रिया मेरिट के आधार पर ऑनलाइन होने से कई विद्यार्थियों ने सर्वश्रेष्ठ कॉलेज चुनने के लिए जद्दोजहद शुरू कर दी है. हालांकि इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रवेश प्रक्रिया की तैयारी कर रहे विद्यार्थी नियमित कॉलेज की बजाय सिर्फ रजिस्ट्रेशन के लिए कॉलेज चाहते हैं, ऐसे में 11वीं प्रवेश के नए नियमों ने इन विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को दुविधा में डाल दिया है. 168 स्कूलों का रिजल्ट 100 फीसदी इस साल जिले के 665 स्कूलों के विद्यार्थियों ने 10वीं की परीक्षा दी थी. इनमें से 168 स्कूलों के सभी विद्यार्थी पास हुए हैं और इन स्कूलों का रिजल्ट 100 फीसदी रहा है. 461 स्कूलों का रिजल्ट 70 फीसदी से ज्यादा रहा है. हालांकि दो स्कूलों का रिजल्ट जीरो फीसदी रहा है. वहां एक भी विद्यार्थी पास नहीं हुआ है. एक स्कूल का रिजल्ट 10 फीसदी से भी कम रहा है.

राय न्यायमूर्ति भूषण गवई की मां कमलताई ने कहा

बैलेट पेपर पर चुनाव कराना बेहतर

अमरावती. न्यायमूर्ति भूषण गवई सर्वोच्च न्यायालय के 52वें मुख्य न्यायाधीश बनेंगे. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 14 मई को भूषण गवई को पद की शपथ दिलाएंगी. न्यायमूर्ति भूषण गवई भारत के सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त होने वाले छठे मराठी व्यक्ति होंगे.
न्यायमूर्ति भूषण गवई का जन्म अमरावती में हुआ था. केरल और बिहार के पूर्व राज्यपाल और रिपब्लिकन पार्टी के वरिष्ठ नेता आर. सु. वह गवई का पुत्र है. भूषण गवई ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा अमरावती में प्राप्त की. 14 वर्षों तक बॉम्बे उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में कार्य करने के बाद, उन्हें 24 मई, 2019 को सर्वोच्च न्यायालय में पदोन्नत किया गया. अब वह मुख्य न्यायाधीश होंगे और उनका कार्यकाल

छह महीने का होगा. न्यायमूर्ति भूषण गवई की मां कमलताई गवई ने मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए पुरानी यादें ताजा कीं. इसके साथ ही उन्होंने चुनावों पर भी स्पष्ट रूप से अपने विचार व्यक्त किए. मीडिया प्रतिनिधियों ने कमलताई गवई से पूछा कि क्या न्यायमूर्ति भूषण गवई को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के मुद्दे पर

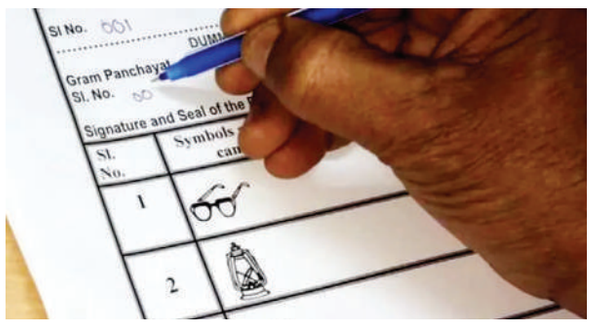

निर्णय लेना चाहिए, क्योंकि इस मुद्दे पर देश में गरमागरम बहस चल रही है. इस पर कमलताई गवई ने कहा, ₹मैं उनकी मां हूं. जब वह उस कुर्सी पर बैठेंगे, तो उन्हें जो सही लगेगा, वे वही फैसला लेंगे. डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने संविधान का केंद्र जनता को माना है. आप जानते हैं कि मैं जनता के बीच एक व्यक्ति और एक आम महिला के रूप में क्या व्यक्त करूंगी. लेकिन अगर आपकी यही इच्छा है, तो बैलेट पेपर पर चुनाव कराना हमेशा बेहतर होता है. पहले भी बैलेट पेपर पर चुनाव होते थे. कमलताई गवई ने बताया कि वह एक गृहिणी हैं, तथा उन्होंने न्यायमूर्ति भूषण गवई के बचपन की यादें ताजा कीं.

भूषण छोटी उम्र में ही परिपक्व

परिवार में सबसे बड़े बेटे होने के कारण भूषण छोटी उम्र में ही परिपक्व हो गये. उन्होंने बताया कि जब हम 1971 के मध्य में भारत-बांग्लादेश युद्ध के दौरान फ्रेजरपुरा में रह रहे थे, तो वह सैनिकों के लिए रोटी बनाने में मेरी मदद कर रहे थे. तुषार गांधी का भी मानना है कि सत्ताधारी पार्टी को छोड़कर कई राजनीतिक दलों ने ईवीएम को लेकर संदेह जताया है. लेकिन वे अपना गुस्सा जाहिर करने के अलावा कुछ नहीं कर सकते. इसलिए, लोगों के बीच 'ईवीएम' के खिलाफ एक आंदोलन खड़ा करना होगा, ऐसा कहना है महात्मा गांधी के परपोते एडवोकेट राम माधव का. तुषार गांधी ने परसों नांदेड़ में बोलते हुए यह बात कही .

अकोला में 'मोर्नामे' ने लगातार डेढ़ महीने तक राहत ली

अकोला. घने जल लिली से पटी मोरना नदी ने अब राहत की सांस ली है. शहर के मध्य भाग से होकर बहने वाली मोरना नदी बेसिन का 4.3 किमी क्षेत्र साफ किया गया और जल लिली से मुक्त किया गया. नगर निगम अधिकारियों द्वारा इस क्षेत्र में जल लिली को हटाने का कार्य पूरा होने से नदी किनारे रहने वाले नागरिकों को भी बड़ी राहत मिली है. मोरना नदी अकोला शहर के मध्य भाग से होकर बहती है. इस नदी का तल प्रदूषित हो गया था और वहां बड़ी संख्या में जल लिली उग आई थी. परिणामस्वरूप, नदी के तल में पानी जमा हो गया, जिससे मच्छरों का प्रकोप बहुत बढ़ गया. क्षेत्र के नागरिक व्यथित थे. हर साल गर्मियों के महीनों में मोर्ना नदी बेसिन में जल लिली उगती है.

बांध से पानी छोड़े जाने के कारण जलस्तर बढा

रखरखाव और मरम्मत तथा पशुओं के पीने के पानी के लिए दगडपवारा बांध से मोरना नदी बेसिन में पानी छोड़ा गया है. परिणामस्वरूप, यह देखा गया है कि शहर की सीमा के बाहर से कुछ जल लिली मोरना नदी में बह गई हैं. नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी भरत शर्मा ने बताया कि जलस्तर कम होने पर जलकुंभी को हटाया जाएगा.

राष्ट्रबाण
नागपुर VISION
।। धर्मो रक्षति रक्षितः।।
तापमानः नागपुर, अधिकतम 39.1°C न्यूनतम 26.0°C
नागपुर, बुधवार, 14 मई 2025

नागपुर डिवीजन 90.78 प्रश के साथ
अंतिम स्थान पर
8 स्कूलों में सभी बच्चे फेल

एसएससी परिणाम 2025

नागपुर. महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने कक्षा 10वीं के नतीजे घोषित कर दिए हैं. पिछली बार की तरह इस बार भी लड़कियों ने जीत हासिल की है. इस बार 15,58,020 बच्चे परीक्षा में शामिल हुए, जिनमें से 94.10 प्रतिशत यानी 14,55,433 बच्चे पास हुए हैं. वहीं, नागपुर डिवीजन इस बार फिर विफल साबित हुआ है. हालाँकि, इस बार सेक्शन का उत्तीर्ण प्रतिशत 90.78 प्रतिशत था. शिक्षा विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार नागपुर संभाग के आठ स्कूलों का उत्तीर्ण प्रतिशत शून्य रहा. यानी इन स्कूलों का एक भी बच्चा परीक्षा में पास नहीं हुआ. नागपुर जिला नागपुर प्रभाग में है. जिले का परिणाम 94.39 प्रतिशत रहा. वहीं, गढ़चिरौली 82.67 प्रतिशत के साथ अंतिम स्थान पर रहा.

लगातार गिरता श्रेणी स्तर

मंगलवार दोपहर को राज्य दंड विभाग ने मैट्रिकुलेशन के परिणाम घोषित किए. जारी नतीजों के अनुसार नागपुर डिवीजन एक बार फिर फिसड्डी साबित हुआ है. संभाग के छह जिलों में 1,47,359 बच्चों ने अपना पंजीकरण कराया था. वहीं 1,46,113 बच्चे परीक्षा में शामिल हुए. जिनमें से 1,32,650 बच्चे परीक्षा में उत्तीर्ण हुए. जिसका प्रतिशत 90.78 है. नागपुर संभाग का परिणाम पिछले कई वर्षों से लगातार गिर रहा है. पिछले साल तक नागपुर डिवीजन नीचे से दूसरे स्थान पर था. लेकिन इस बार परिणाम में और गिरावट आई और विभाग अंतिम पायदान पर पहुंच गया.

सोने की कीमतों में बड़ा बदलाव

यह रहे आज के रेट..

नागपुर. भारत और पाकिस्तान के बीच शुरुआती तनाव और उसके बाद हुए युद्ध विराम के बाद सोने की कीमत में भारी गिरावट आई थी. लेकिन इन घटनाक्रमों के बाद, हम लगातार सोने की कीमतों में बड़े बदलाव देख रहे हैं. मंगलवार को भी सोने की कीमतों में बदलाव देखने को मिला. मंगलवार को सोने की कीमतें क्या थीं? आइये इसके बारे में पता करें. जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान और आतंकियों को करारा जवाब दिया था. इसके बाद दोनों देशों के बीच युद्ध विराम पर हस्ताक्षर हुए और अब शांति स्थापित होने के संकेत मिल रहे हैं. इस बीच, 10 मई 2025 को दोपहर 2 बजे, नागपुर के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत, मूल्य निर्धारण और जीएसटी को छोड़कर, 24 कैरेट के लिए 96,800 रुपये प्रति 10 ग्राम, 22 कैरेट के लिए 90,000 रुपये, 22 कैरेट के लिए 75,500 रुपये और 14 कैरेट के लिए 62,900 रुपये दर्ज की गई.

नागपुर स्मार्ट सिटी के तहत बांटे गए घरों के
मुद्रांक शुल्क में कटौती

कृत्रिम रेती नीति को मिली मंजूरी

मुंबई/नागपुर. राज्य सरकार ने नागपुर स्मार्ट सिटी के तहत 'होम स्वीट होम' के तहत बांटे गए घरों के मुद्रांक शुल्क में कटौती करने का निर्णय लिया है. सरकार ने लगने वाले शुल्क को घटाकर 1000 रुपये कर दिया है. मंगलवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अगुवाई में कैबिनेट बैठक हुई, जिसमें प्रस्ताव को अपनी मंजूरी दी है. इसी के साथ कैबिनेट ने कामठी तहसील के चिंचोली में प्रस्तावित राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय के महाराष्ट्र उप-केंद्र के लिए भूमि आवंटन को भी मंजूरी दी है. मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंगलवार को राज्य कैबिनेट की बैठक मंत्रालय में हुई. बैठक में राज्य से जुड़े हुए कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को अपनी मंजूरी और निर्णय लिए गए. राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए नागपुर स्मार्ट सिटी के तहत होम स्वेट होम के तहत बांटे गए घरों के मुद्रांक शुल्क में कटौती कर दी है. इसी के तहत अब आवंटित घरों के पट्टा दस्तावेजों पर स्टाम्प शुल्क मात्र 1000 रुपये लिया जाएगा.

ज्ञात हो कि, पिछले कई समय से नागरिकों द्वारा शुल्क की कटौती की मांग कर रहे थे. यही नहीं सरकार ने नागपुर जिले के कामठी तहसील के चिंचोला में बनने वाले राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय के उप-केंद्र के लिए 20.33 हेक्टेयर भूमि देने का निर्णय लिया है. राज्य कैबिनेट ने कृत्रिम रेती नीति को मंजूरी दे दी है. जिसके तहत हर जिले में 50 लोगों को कृत्रिम सैंड तैयार करने की अनुमति देगी. सरकार ने राज्य वेतन न्यूनता निवारण समिति की रिपोर्ट स्वीकार कर ली गई है. राज्य सरकार 80 करोड़ रुपए का भार वहन करेगी.

फास्ट ट्रैक

पानी की टंकी में डूबने से 4 साल की बच्ची की मौत

नागपुर. वाठोडा थाना अंतर्गत भांडेवाड़ी स्थित अंतुजी नगर में एक हृदयविदारक घटना घटी, जहाँ छत पर खेल रही 4 वर्षीय मासूम बच्ची अनम शमशाद खान की पानी की टंकी में गिरकर मौत हो गई. हादसे के बाद इलाके में शोक का माहौल है. वहीं पुलिस ने इस घटना की जानकारी मिलने के बाद आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया और आगे की जांच कर रही है. शमशाद खान अपने परिवार के साथ भांडेवाडी के अंतूजी नगर में रहते हैं.

करेंट से महिला की दर्दनाक मौत

नागपुर. हिंगणा तहसील के पांजरी (मोंढा) गांव में हुए एक दर्दनाक हादसे में कपड़े सुखाते समय करंट लगने से एक महिला की मौत हो गई. मृतका की पहचान पार्वती किशोर खासदार के रूप में हुई है. पुलिस ने इस घटना की जानकारी मिलने के बाद आकस्मिक मौत के तहत मामला दर्ज किया है और आगे की जांच कर रही है. पार्वती खासदार अपने पति और 2 बेटियों के साथ 9 मई को अपने भांजे के विवाह समारोह में शामिल होने के लिए सातनवरी (नागपुर) आई थीं. विवाह संपन्न होने के बाद वे 12 मई को अपने बहन और बहनोई के घर पांजरी में पहुंची थीं. शाम के समय कपड़े धोने के बाद जब वे उन्हें लोहे की तार पर सुखाने के लिए गईं, तब वहीं पास में खुले पड़े बिजली के तार का स्पर्श होने से उन्हें करंट लगा.

शहर का जिला अध्यक्ष बदला और ग्रामीण क्षेत्र के लिए 2 नए अध्यक्ष
भाजपा ने बदले अपने अध्यक्ष

नागपुर. आगामी नगर निगम चुनावों की पृष्ठभूमि में भारतीय जनता पार्टी ने अचानक अपना सुर बदल लिया है. शहर और जिला अध्यक्ष बदल दिए गए हैं. जिले के लिए दो अध्यक्ष नियुक्त किये गये हैं. नागपुर जिले का ग्रामीण क्षेत्र अब इतना बड़ा हो गया है कि भारतीय जनता पार्टी को संगठनात्मक दृष्टि से ग्रामीण क्षेत्र को दो भागों में विभाजित कर दो जिला अध्यक्ष नियुक्त करने का समय आ गया है, यह प्रस्ताव स्वयं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा को दिया था. इसके बाद अब भाजपा जिला अध्यक्षों की सूची घोषित कर दी गई है और पूर्व महापौर दयाशंकर तिवारी को शहर का नया अध्यक्ष चुना गया है. इस बीच, भाजपा ने नागपुर ग्रामीण को दो भागों में विभाजित किया है, जिसमें मनोहर कुंभारे को नागपुर ग्रामीण काटोल का नया अध्यक्ष और अनंतराव राऊत को नागपुर ग्रामीण रामटेक का नया अध्यक्ष बनाया गया है. नागपुर भाजपा में शहर अध्यक्ष पद को लेकर भारी खींचतान चल रही है. वर्तमान शहर अध्यक्ष बंटी कुकड़े को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का समर्थक माना जाता है . इस पद के लिए विधायक प्रवीण दटके का नाम अचानक सामने आया. दटके पूर्व महापौर हैं. इससे भी अधिक, वह मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस के कट्टर समर्थक हैं . इसलिए उनके नाम पर चर्चा हुई. हालांकि, भाजपा ने नया अध्यक्ष नियुक्त कर सबको चौंका दिया है. भाजपा ने नागपुर शहर की तरह ग्रामीण क्षेत्रों के लिए भी नया अध्यक्ष खोजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है. सभी की नजर इस बात पर थी कि क्या पुराने लोगों को एक और मौका दिया जाएगा या नए लोग आएंगे. हालांकि, भाजपा अब संगठनात्मक स्तर पर कई बदलाव कर रही है. इसके तहत बावनकुले ने गांव को 2 जिला अध्यक्ष देने की मंशा जताई थी. रामटेक, काटोल मुख्यालय वर्तमान रामटेक लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र भौगोलिक दृष्टि से बहुत बड़ा है और इसमें 2,453 मतदान केंद्र हैं.

जातिगत समीकरण साधने की कोशिश

भविष्य में यानि 2029 में शहर के विधानसभा क्षेत्र में कई बदलाव होंगे. बढ़ती आबादी और मतदाताओं की संख्या के आधार पर जिले में दो और सीटें मिलने की संभावना है. भविष्य में यानि 2029 में शहर के विधानसभा क्षेत्र में कई बदलाव होंगे. बढ़ती जनसंख्या और मतदाताओं की संख्या के आधार पर, जिले में दो से अधिक निर्वाचन क्षेत्र होने की संभावना है. इसलिए भाजपा ने इस बार जिले में दो अध्यक्ष दिए हैं. ग्रामीण क्षेत्रों के लिए दो जिला अध्यक्ष होने से भाजपा के लिए जातिगत समीकरण बैठाना आसान हो जाएगा.

मनपा चुनाव के पहले भाजपा संगठन में बड़ा बदलाव

पूर्व महापौर तिवारी को बनाया शहर अध्यक्ष

नागपुर. नागपुर महानगर पालिका चुनाव के पहले भारतीय जनता पार्टी ने संगठन में बदलाव शुरू कर दिया है. भाजपा ने चुनाव के पहले शहर अध्यक्ष को बदल दिया है. पूर्व महापौर और पार्टी के वरिष्ठ नेता दयाशंकर तिवारी नागपुर शहर भाजपा के नए अध्यक्ष होंगे. वह वर्तमान अध्यक्ष बंटी कुकड़े की जगह लेंगे. इसी के साथ भाजपा ने ग्रामीण में भी बदलाव किया है. मनोहर कुंभारे काटोल तो अनंतराव राऊत रामटेक क्षेत्र के अध्यक्ष होंगे. दयाशंकर तिवारी भाजपा के वरिष्ठ नेताओं में से एक है. वह मध्य नागपुर से लगातार चार बार नागपुर मनपा ने पार्षद के तौर पर निर्वाचित हुए हैं. यही नहीं तिवारी नागपुर मनपा के 54वे महापौर भी रहे. 5 जनवरी 2021 से 22 सितंबर 2022 तक वह इस पर रहे. चुनाव में तिवारी को 151 में से 107 वोट मिले थे. केवल हिंदी भाषी क्षेत्र ही नहीं बल्कि पूरे नागपुर शहर में दयाशंकर तिवारी को शालीनता और संगठन के नेता के रूप में पहचाना जाता है.

एचडीएफसी बैंक 'परिवर्तन' का कार्यक्रम
स्टेम विज्ञान प्रयोगशालाओं का उद्घाटन

मुंबई/पुणे. एचडीएफसी बैंक ने अपनी सीएसआर पहल 'परिवर्तन' के तहत 'स्टेम विदाउट बैरियर्स' कार्यक्रम के तहत मुंबई और पुणे में सुलभ स्टेम (STEM) विज्ञान केंद्रों का उद्घाटन किया. समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस पहल के तहत बधिर और कम सुनने वाले बच्चों के लिए विशेष स्कूलों में मिनी विज्ञान प्रयोगशालाएँ स्थापित की जाती हैं. इस पहल को भारत के 35 विशेष स्कूलों में लागू किया गया है, जिनमें से 10 महाराष्ट्र में स्थित हैं. इस परियोजना के माध्यम से पुणे और मुंबई में कक्षा 5 से 10 तक के 885 छात्रों को भारतीय सांकेतिक भाषा में अनुवादित विशेष रूप से क्यूरेट की गई स्टेम सामग्री तक पहुँच प्राप्त होगी जिससे वे सुलभ, आकर्षक प्रारूप में वैज्ञानिक अवधारणाओं का पता लगा सकेंगे और उन्हें समझ सकेंगे. इस परियोजना में शिक्षक प्रशिक्षण, निरंतर मार्गदर्शन और सुलभ सामग्री का विकास भी शामिल है. आधार मूकबधिर विद्यालय पुणे और बॉम्बे इंस्टीट्यूशन फॉर डेफ एंड म्यूट्स मुंबई में उद्घाटन समारोह आयोजित किए गए. इन कार्यक्रमों में स्कूलों को पूरी तरह सुसज्जित स्टेम प्रयोगशालाओं का औपचारिक हस्तांतरण किया गया, जो समावेशी, प्रौद्योगिकी-सक्षम शिक्षा के व्यापक दृष्टिकोण का समर्थन करता है. एचडीएफसी बैंक द्वारा तीन वर्षों की अवधि के लिए वित्त पोषित यह उद्योग-प्रथम पहल विशेष स्कूलों में नवाचार, पहुंच और आधुनिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक सहयोगी दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करती है.

> यह परियोजना कर्नाटक में एक सफल पायलट परियोजना पर आधारित है और मार्च 2027 तक जारी रहेगी जिसमें सभी भाग लेने वाले स्कूलों में इसी तरह के उद्घाटन कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है. इस पहल के बारे में बोलते हुए, एचडीएफसी बैंक के डीएमडी श्री कैजाद भरुचा ने कहा, "हमारा मानना है कि शिक्षा तक पहुँच न्यायसंगत और समावेशी होनी चाहिए. इस पहल के माध्यम से हमारा लक्ष्य ऐसे शिक्षण वातावरण का सह-निर्माण करना है जो सुनने की चुनौतियों वाले बच्चों सहित सभी बच्चों की ज़रूरतों के प्रति संवेदनशील हो.

वजन कम करना चाहते हैं तो स्नैकिंग के हेल्दी विकल्पों को अपनाएं

डॉ रोहिणी पाटिल, एमबीबीएस एवं न्यूट्रिशनिस्ट

नागपुर. खाने के बीच भूख लगना उन लोगों के लिए परेशानी हो सकता है जो वजन कम करना चाहते हैं. इस भूख के दौरान हमें अक्सर ऐसी चीजें खाने का मन करता है जो सेहत के लिए अच्छी नहीं होतीं, जिससे वजन कम करने का लक्ष्य बिगड़ सकता है. लेकिन सही तरीके से नाश्ता करने से वजन कम करने में मदद मिल सकती है. डॉ. रोहिणी पाटिल (एमबीबीएस और न्यूट्रिशनिस्ट) कहती हैं कि बादाम, फल और सब्जियां जैसे पौष्टिक खाद्य पदार्थ सही मात्रा में खाने चाहिए. स्नैयकिंग के ये स्मार्ट विकल्पए न केवल भूख को शांत करते हैं, बल्कि जरूरी पोषक तत्व भी देते हैं जो आपको एनर्जी से भरपूर रखती हैं और आपको संतुष्टि भी मिलती है. डॉ. पाटिल कहती हैं कि नाश्ता करना समस्या नहीं है, बल्कि हम क्या और कितना खाते हैं, यह मायने रखता है. सही पोषक तत्वों के संतुलन के साथ चुने गए नाश्ते से सेहत के लक्ष्यों को बनाए रखा जा सकता है और खाने का आनंद भी लिया जा सकता है. यहां कुछ सेहतमंद नाश्ते के विकल्प दिए गए हैं जो आपको तृप्त रखेंगे और वजन कम करने की राह पर मदद करेंगे. बादाम में प्रोटीन, मैग्नीशियम, विटामिन ई और जिंक जैसे 15 जरूरी पोषक तत्व होते हैं. इनका कुरकुरा स्वाद भूख को शांत करता है. बादाम दिल, त्वचा के लिए अच्छे हैं, और इन्हें खाकर संतुष्टि का अहसास होता है. ये वजन नियंत्रण में मदद करते हैं. डॉ. पाटिल ने खासतौर पर कैलिफोर्निया आमंड्स की सलाह दी है, जिनमें प्रोटीन, गुड फैट और फाइबर होते हैं, जो लंबे समय तक पेट भरा रखते हैं. इन्हें अकेले खाएं, स्मूदी में डालें, सलाद में मिलाएं या मसाले के साथ भूनें. नॉन-स्टिक पैन पर बिना तेल के बनाया गया मूंग दाल चीला वजन कम करने के लिए एक बढ़िया नाश्ता है. इसमें प्रोटीन और फाइबर होते हैं, जो भूख पर नियंत्रण रखते हैं और एनर्जी बनाए रखते हैं. डॉ. पाटिल सलाह देती हैं कि पालक, प्याज और टमाटर जैसी बारीक कटी सब्जियां डालकर इसे और पौष्टिक बनाएं. मूंग दाल में पोटैशियम, मैग्नीशियम, आयरन और कॉपर होते हैं, जो पाचन और दिल के लिए अच्छे हैं.

सफलता — आंबेडकर संग अपनाया बौद्ध धर्म : बिहार, केरल के रहे राज्यपाल
45 साल की सियासी पारी खेली बीआर गवई के पिता ने

नागपुर. जब न्यायाधीश भूषण रामकृष्ण गवई 14 मई को भारत के सर्वोच्च न्यायालय (सीजेआई) के 52वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे, तो यह इतिहास होगा. वह भारत में न्यायिक शक्ति के शिखर पर पहुंचने वाले गणतंत्र के इतिहास में पहले बौद्ध चीफ जस्टिस होंगे. उनके चीफ जस्टिस बनने के ऐलान के बाद उनके पिता चर्चा में आ गए हैं. जस्टिस बीआर गवई के पिता आरएस गवई महाराष्ट्र के एक बड़े नेता थे. बिहार सहित कई राज्यों के गवर्नर रहे थे. हालांकि रिटायर होने के बाद राजनीति में जाने को लेकर उन्होंने कहा कि उनका राजनीति में जाने का कोई इरादा नहीं है. जस्टिस बीआर गवई ने अनौपचारिक बातचीत में साफ कर दिया कि वह रिटायरमेंट के बाद कोई राजनीतिक पद नहीं लेंगे. रामकृष्ण सूर्यभान गवई, जिन्हें दादासाहेब गवई के नाम से जाना जाता था, भारत के एक प्रसिद्ध नेता थे. उनका जन्म 30 अक्टूबर 1929 को हुआ था और 25 जुलाई 2015 को उनका निधन हो गया. आरएस गवई एक राजनेता, समाज सेवक और आंबेडकरवादी आंदोलन के बड़े नेता थे. उन्होंने रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (गवई) नाम से एक पार्टी भी बनाई थी. उन्होंने बाबासाहेब आंबेडकर के साथ भी काम किया. इतना ही नहीं आरएस गवई ने बीआर आंबेडकर के साथ ही बौद्ध धर्म भी अपनाया था.

आरएस गवई बिहार, सिक्किम और केरल राज्यों के राज्यपाल भी रहे. इसके अलावा, उन्होंने भारतीय संसद के दोनों सदनों, लोकसभा और राज्यसभा में भी अपनी सेवाएं दीं.

ऐसे बने लोकसभा सांसद

- 1998 में, गवई अमरावती से 12वीं लोकसभा के लिए चुने गए. वे अप्रैल 2000 से अप्रैल 2006 तक महाराष्ट्र राज्य से राज्यसभा के सदस्य रहे. जून 2006 में वे बिहार के राज्यपाल बने. 13 जुलाई 2006 से 12 अगस्त 2006 तक वे सिक्किम के कार्यवाहक राज्यपाल भी रहे. 26 जून 2008 को, गवई को केरल का राज्यपाल नियुक्त किया गया, और उन्होंने केरल के राज्यपाल आरएल भाटिया के साथ पदों की अदला-बदली की. उन्होंने 10 जुलाई 2008 को केरल के राज्यपाल के रूप में शपथ ली.
- गवई को कुष्ठ मित्र पुरस्कार और शांति और सद्भाव के लिए राष्ट्रीय एकता पुरस्कार भी मिला. वे डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर स्मारक समिति, दीक्षा भूमि, नागपुर और डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर शिक्षण प्रसारक मंडल, अमरावती के अध्यक्ष भी थे. 25 जुलाई 2015 को नागपुर में उनका निधन हो गया.
- बीआर गवई का जन्म अमरावती में 24 नवंबर 1960 को हुआ था. उन्होंने 16 मार्च 1985 को वकालत शुरू की. वह नागपुर नगर निगम, अमरावती नगर निगम और अमरावती विश्वविद्यालय के स्थायी वकील रहे. उन्होंने SICOM, DCVL जैसी कई स्वायत्त संस्थाओं और निगमों और विदर्भ क्षेत्र की विभिन्न नगर परिषदों के लिए नियमित रूप से पैरवी की. SICOM और DCVL कुछ कंपनियों के नाम हैं.

ऋतिक-राकेश रोशन पहली बार एक पर्दे पर

मोबिल1 के साथ दिखाया 'अनफॉरगेटेबल जर्नीज़' का जज़्बा

नागपुर. एक्सॉनमोबिल लुब्रिकेंट्स प्राइवेट लिमिटेड, जो भारत में मोबिल™ ब्रांड के लुब्रिकेंट्स बेचती है, ने आज अपने 'अनफॉरगेटेबल जर्नीज़' कैंपेन की नई विज्ञापन फिल्म लॉन्च की. इस फिल्म में बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन नजर आएंगे और इसमें दुनिया के अग्रणी सिंथेटिक इंजन ऑयल ब्रांड मोबिल 1™ को प्रमुखता से दिखाया गया है. यह विज्ञापन ऋतिक के जुनून, भारत जैसे देश के सपने देखने वाले और मेहनती लोगों की सोच, और मोबिल 1™ के शानदार प्रदर्शन को एक साथ जोड़ता है. ये तीनों बातें एक समान भावना से जुड़ी हैं, कुछ अलग और बेहतर करने की लगातार चाह.इस नई फिल्म की खास बात यह है कि इसमें पहली बार ऋतिक रोशन अपने पिता, मशहूर फिल्म निर्माता और निर्देशक राकेश रोशन के साथ स्क्रीन पर दिखाई दे रहे हैं. ऋतिक की पहली सुपरहिट फिल्म 'कहो ना प्यार है' को 25 साल पूरे हो गए हैं. यह कैंपेन उनके कभी न रुकने वाले जोश और यादगार परफॉर्मेंसेस की तलाश को सलाम करता है.ऋतिक की यह यात्रा भारत जैसे देश की भी कहानी है, जहां सपने देखने वाले हर चुनौती का सामना करते हैं और मेहनती लोग अपने सपनों को साकार करते हैं. यह उस भारत की भावना को दर्शाता है जो हमेशा आगे बढ़ता है, जहां हर नई पीढ़ी एक बेहतर कल का सपना देखती है और उसे सच करने के लिए जी-जान से मेहनत करती है. मोबिल 1™ भी इसी भावना को साझा करता है. यह एक ऐसा ब्रांड है जो इंजन ऑयल की दुनिया को लगातार नई दिशा देता है.

कोहली के रिटायरमेंट के बाद अनाया बांगर का खुलासा

नई दिल्ली. विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है. लेकिन, टी20 के बाद क्रिकेट के एक और फॉर्मेट से उनके रिटायरमेंट के बाद, इधर दिए एक इंटरव्यू में संजय बांगर की बेटी अनाया ने उन्हें लेकर कुछ बातें शेयर की है. अनाया बांगर ने इंटरव्यू दिया है, जिसमें उन्होंने विराट कोहली से अपने मुलाकात के बारे में बताया है. अनाया के मुताबिक वो विराट कोहली से एक नहीं कई बार मिली हैं.

विराट से कितनी बार मिलीं अनाया?

अनाया बांगर ने विराट कोहली से मुलाकात को लेकर जवाब तब दिया, जब उनसे इस पर सवाल किया गया. उनसे सवाल हुआ कि क्या वो कभी विराट कोहली से मिली हैं? दरअसल, अनाया बांगर के पिता संजय बांगर के साथ विराट कोहली अक्सर ट्रेनिंग करते थे. और, यही वजह थी इंटरव्यू के दौरान अनाया से ये सवाल किया गया.

विराट से कई बार मिली- अनाया

अनाया बांगर ने सवाल के जवाब में कहा कि वो कई बार विराट कोहली से मिल चुकी हैं. उन्होंने उनके साथ क्रिकेट की ट्रेनिंग भी की है. अनाया बांगर के मुताबिक ऐसा अक्सर हो जाता था, जब भी विराट कोहली उनके पिता के साथ ट्रेनिंग करते थे. अनाया ने बताया कि विराट ट्रेनिंग के दौरान काफी फनी होते थे. लेकिन, एक बार जब बल्ला हाथ में होता तो फिर पूरा फोकस उनका अभ्यास और अपने काम पर होता था.

अनाया ने विराट से क्या पूछ लिया था?

इंटरव्यू के दौरान अनाया ने बताया कि ट्रेनिंग के दौरान एक बार उन्होंने विराट कोहली से पूछा था कि वो कैसे प्रेशर को हैंडल करते हैं? अनाया के मुताबिक विराट ने जवाब में कहा था कि वो बस अपनी स्ट्रेंथ के साथ टिके रहने की कोशिश करते हैं. इसके अलावा फोकस अपनी तैयारियों को मैदान पर सही तरीके से अमलीजामा पहनाने पर होता है. विराट से कोई चीज अगर सीखने को मिली तो वो क्या है? इस सवाल के जवाब में अनाया बांगर ने कहा कि वो उनकी तरह फियरलेस बनना चाहेंगी.

संजय बांगर का बेटा, अब बनी बेटी

अनाया बांगर की पहचान पहले आर्यन बांगर की थी. वो संजय बांगर के बेटे के तौर पर जानी जाती थी, जो क्रिकेट खेलता था. बाएं हाथ का बैट्समैन होने के साथ साथ बाएं हाथ का स्पिनर था.

मगर हाल ही में उन्होंने अपना जेंडर ट्रांसप्लांट कराकर संजय बांगर का वो बेटा लड़की बना है. और, अब उनकी पहचान अनाया बांगर की है. अनाया ने इंटरव्यू में विराट कोहली से मुलाकात की जो बातें बताई हैं, वो संभवत: उस वक्त की हैं, जब वो आर्यन बांगर हुआ करते थे और पिता के साथ क्रिकेट की ट्रेनिंग करने ग्राउंड पर जाया करते थे.

आईपीएल 2025 फाइनल को लेकर बड़ी रिपोर्ट आई सामने

नई दिल्ली. बीसीसीआई ने आईपीएल 2025 का नए सिरे से शेड्यूल तो जारी कर दिया. पर उसमें उसने इस बारे में नहीं बताया कि लीग के 18वें सीजन का फाइनल कहां होगा? कहां खेले जाएंगे क्वालिफायर और एलिमिनेटर मैच, इस बारे में भी फिलहाल जानकारी शेयर नहीं की. बीसीसीआई की ओर से बस इतना ही कहा गया कि प्लेऑफ मुकाबले और फाइनल के वेन्यू का ऐलान बाद में किया जाएगा. बहरहाल, अब सामने आई एक रिपोर्ट में बड़ा अपडेट सामने आया है. इस अपडेट में आईपीएल 2025 फाइनल के वेन्यू का जिक्र है.

आईपीएल 2025 का फाइनल पहले 25 मई को कोलकाता के ईडन गार्डन्स पर खेला जाना था. मगर अब नए शेड्यूल के तहत आईपीएल 2025 का फाइनल 3 जून को खेला जाएगा. हालांकि, उसमें वेन्यू तय नहीं है. अब इस मसले पर जो रिपोर्ट सामने आई है, उसके मुताबिक फाइनल कोलकाता में नहीं होगा. ठीक वैसे ही जैसे नए शेड्यूल में कोलकाता से वहां होने वाले मैचों की मेजबानी भी ले ली गई, फाइनल भी होता नहीं दिख रहा.

अब सवाल है कि आईपीएल 2025 का फाइनल अगर कोलकाता के ईडन गार्डन्स पर नहीं होगा तो फिर कहां होगा? सामने आई रिपोर्ट से जो अपडेट हासिल हुई है, उसके मुताबिक 3 जून को होने वाले फाइनल का वेन्यू अहमदाबाद होगा. वहां के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में लाखों दर्शकों के बीच आईपीएल 2025 का फाइनल खेला जाएगा.

अब सवाल है कि फाइनल का वेन्यू कोलकाता से अहमदाबाद शिफ्ट होगा क्यों? तो मिल रही जानकारी के मुताबिक, इसके पीछे की एक बड़ी वजह वहां बिगड़े मौसम के मिजाज को बताया जा रहा है. कोलकाता में 3 जून को आसमान में बादल छाए होंगे और बारिश की भी आशंका है.आईपीएल 2025 का क्वालिफायर 1 और एलिमिनेटर मैच पहले हैदराबाद में होने थे. वहीं क्वालिफायर 2 कोलकाता में खेला जाना था. लेकिन अब रिपोर्ट है कि दोनों क्वालिफायर में सो कोई एक मुंबई के वानखेड़े मैदान पर खेला जा सकता है. नए शेड्यूल से IPL 2025 का क्वालिफायर 1 और एलिमिनेटर 29 मई और 30 मई को खेला जाना है. जबकि 1 जून को क्वालिफायर 2 खेला जाएगा.

पीसीबी ने किया नए हेड कोच का ऐलान

लाहौर. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने एक बड़ा ऐलान किया है. पाकिस्तान की सीनियर टीम को नया हेड कोच मिल गया है. पीसीबी ने ये जिम्मेदारी एक ऐसे दिग्गज को दी है, जो आईपीएल में विराट कोहली के साथ काम कर चुका है. यानी उसने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के साथ बतौर हेड कोच काम किया है. वह पाकिस्तान सुपर लीग 2025 खत्म होने के अगले दिन (26 मई) पाकिस्तान की टीम के साथ जुड़ जाएगा. फिलहाल वह पीसीएल में मौजूदा चैंपियन इस्लामाबाद यूनाइटेड के साथ है. माइक हेसन को पाकिस्तान की व्हाइट-बॉल टीम का नया हेड कोच बनाया गया है. हेसन ने अकीब जावेद की जगह ली है, जो पांच महीने तक अंतरिम मुख्य कोच थे. उन्होंने गैरी कर्स्टन के अचानक इस्तीफा देने के बाद पदभार संभाला था. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की ओर से इस बारे में आधिकारिक ऐलान कर दिया गया है. 50 साल के माइक हेसन एक अनुभवी और सफल कोच माने जाते हैं. वह कई सालों तक न्यूजीलैंड की टीम के साथ काम कर चुके है. 2012 से 2018 तक वह न्यूजीलैंड की टीम के हेड कोच थे. इसके बाद उन्होंने आईपीएल में भी काम किया. माइक हेसन साल 2019 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम के साथ जुड़े थे. वह साल 2023 तक इस टीम का हिस्सा रहे.

टीम इंडिया का पूर्व खिलाड़ी बना विदेशी टीम का हीरो

नई दिल्ली. भारतीय खिलाड़ी इस समय आईपीएल में अपने नाम का डंका बजा रहे हैं. लीग के 18वें सीजन में कई युवा खिलाड़ी अपनी छाप छोड़ने में कामयाब रहे हैं. दूसरी ओर टीम इंडिया का एक ऐसा खिलाड़ी भी है, जो इस बार आईपीएल का हिस्सा नहीं है. इस खिलाड़ी को आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में किसी भी टीम ने नहीं खरीदा था. ऐसे में इस क्रिकेटर ने बड़ा फैसला लेते हुए एक विदेशी टीम के लिए खेलने का फैसला लिया. अब उसने अपनी नई टीम के लिए डेब्यू कर लिया है और पहली ही मुकाबले में शतक जड़कर सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है.

विदेशी टीम के लिए किया डेब्यू और जड़ा शतक

भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज केएस भरत इस बार आईपीएल का हिस्सा नहीं हैं. वहीं, पिछले 1 साल से उन्होंने टीम इंडिया के लिए भी कोई मैच नहीं खेला है. ऐसे में उन्होंने अपने करियर की नई दिशा देने का फैसला लेते हुए इंग्लैंड के प्रतिष्ठित सरे चैंपियनशिप में दुलविच क्रिकेट क्लब के लिए खेलने का फैसला लिया था. अब उन्होंने दुलविच क्रिकेट क्लब के लिए डेब्यू भी कर लिया है. केएस भरत का डेब्यू मैच काफी यादगार रहा, उन्होंने अपने पहले ही मैच में शानदार शतक जड़ा और अपनी टीम को जीत दिलाई. सरे चैंपियनशिप में एशर क्रिकेट क्लब के खिलाफ खेले गए मैच में केएस भरत ने दुलविच क्रिकेट क्लब के लिए डेब्यू किया. इस मुकाबले में दुलविच की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, जो सही साबित हुआ. दुलविच की शुरुआत काफी खराब रही, दोनों ओपनर दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके. इसके बाद केएस भरत बल्लेबाजी के लिए उतरे. उन्होंने टीम की पारी को संभालने का काम किया और फिर तेज गति से रन बनाए. केएस भरत ने 108 गेंदों पर 124.07 की स्ट्राइक रेट से 134 रन बनाए. उनकी इस पारी में 17 चौके और 5 छक्के शामिल रहे. इसके जवाब में एशर की टीम 491. ओवर में 312 रन बनाकर ऑलआउट हो गई.

केएस भरत के लिए साबित होगा अहम दौरा

केएस भरत के इंटरनेशनल करियर की शुरुआत साल 2023 में हुई थी. वहीं, इसके बाद उन्होंने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच इंग्लैंड के खिलाफ फरवरी 2024 में टेस्ट सीरीज के दौरान खेला था. इस दौरान ऋषभ पंत चोट के चलते टीम इंडिया से बाहर चल रहे थे. लेकिन ऋषभ पंत की वापसी के बाद केएस भरत ने अपनी जगह गंवा दी. ऐसे में उनकी नजर इस टूर्नामेंट में ज्यादा से ज्यादा रन बनाकर सेलेक्टर्स का ध्यान अपनी ओर खींचने पर रहेगी. अहम बात ये भी है कि टीम इंडिया अगले महीने इंग्लैंड के दौरे पर ही जा रही है. अगर, टीम को बीच टूर्नामेंट उनकी जरूरत पड़ती है तो उनके मौका भी मिल सकता है.

भारत-पाक तनाव के बाद फिर शुरू होंगे क्रिकेट मुकाबले

नई दिल्ली. भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम के बाद अब एक बार फिर खेलों की शुरुआत होने जा रही है. बीसीसीआई ने आईपीएल 2025 के बचे हुए मैचों के लिए नया शेड्यूल जारी कर दिया है. इससे पहले दोनों देशों के बीच तनाव के चलते लीग के एक हफ्ते के लिए सस्पेंड किया गया था. दूसरी ओर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भी अपनी क्रिकेट लीग को पहले दुबई में शिफ्ट करने का ऐलान किया था और फिर इजाजत ना मिलने पर उनसे भी पाकिस्तान सुपर लीग 2025 को सस्पेंड कर दिया था. अब पीसीबी ने भी पीएसएल के फिर से शुरू होने की तारीख का ऐलान कर दिया है.

भारत से टकराव के बीच पीसीबी ने लिया बड़ा फैसला

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पाकिस्तान क्रिकेट लीग 2025 के बचे हुए मैचों के लिए नए शेड्यूल का ऐलान कर दिया है. ये लीग 17 मई को फिर से शुरू होगी. वहीं, बीसीसीआई ने भी आईपीएल को इसी तारीख से शुरू करने का फैसला लिया है. यानी पीसीबी ने यहां भी भारत की नकल करने की कोशिश की है. पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लीग पर अपडेट दिया. उन्होंने पोस्ट में लिखा, 'एचबीएल पीएसएल वहीं से शुरू होगा, जहां से इसे छोड़ा गया था. 6 टीमें, 0 डर. 17 मई से शुरू होने वाले 8 रोमांचक मैचों के लिए तैयार हो जाइए, जो 25 मई को होने वाले ग्रैंड फाइनल तक पहुंचेंगे. सभी टीमों को शुभकामनाएं.'पीएसएल ने सोमवार को फ्रेंचाइजियों के साथ बैठक की. लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के लिए सबसे बड़ी टेंशन विदेशी खिलाड़ियों की उपलब्धता है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, कई विदेशी खिलाड़ी वापस पाकिस्तान नहीं आना चाहते हैं. दरअसल, भारत-पाकिस्तान तनाव के दौरान विदेशी खिलाड़ी काफी डर गए थे और वह जल्द से जल्द पाकिस्तान छोड़ना चाहते थे. वहीं, बांग्लादेशी लेग स्पिनर रिशाद हुसैन ने पाकिस्तान से दुबई पहुंचने के बाद अपने अनुभव को साझा किया था. रिशाद ने बताया कि सैम बिलिंग्स, डेरिल मिचेल, कुशल परेरा, डेविड वीजे, टॉम करन जैसे खिलाड़ी पूरी तरह से डरे हुए थे. टॉम करन तो इस कदर घबरा गए कि वे रोने लगे थे.

इन शहरों में खेले जाएंगे ये मैच

पीएसएल 2025 में एलिमिनेटर, क्वालीफायर और फाइनल सहित कुल 8 मुकाबले खेले जाने हैं. ये सभी मैच रावलपिंडी, मुल्तान और लाहौर में खेले जाएंगे. क्वालीफायर और दोनों एलिमिनेटर लाहौर में होंगे. वहीं, फाइनल की मेजबानी भी लाहौर ही करेगा.

आईपीएल 2025 फिर शुरू, विदेशी खिलाड़ी लौटेंगे भारत

नई दिल्ली. आईपीएल 2025 फिर से शुरू होने जा रहा है. भारत-पाकिस्तान के चलते इस लीग को बीसीसीआई ने एक हफ्ते के लिए सस्पेंड कर दिया था. अब 17 मई से बजे हुए मुकाबले खेले जाएंगे, जिसका शेड्यूल बीसीसीआई ने जारी कर दिया है. हालांकि, अब सबसे बड़ा सवाल ये है कि कौन-कौन से विदेशी खिलाड़ी इस लीग के लिए वापस भारत आएंगे. दरअसल, विदेशी खिलाड़ी लीग के सस्पेंड होने के बाद अपने-अपने देश लौट गए थे, जिसकी सबसे बड़ी वजह पाकिस्तान की ओर से हुए हमले थे. लेकिन पाकिस्तान के हमलों से कोई भी विदेशी खिलाड़ी नहीं डरा है. सनराइजर्स हैदराबाद के स्टार खिलाड़ियों ने भी वापस भारत आने का फैसला ले लिया है. ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस आईपीएल 2025 के बाकी मुकाबलों के लिए भारत वापस आ सकते हैं. वहीं, उनके साथी खिलाड़ी ट्रैविस हेड भी सनराइजर्स हैदराबाद के साथ एक बार फिर जुड़ने के लिए तैयार हैं. खास बात ये है कि इन दोनों खिलाड़ियों को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल भी खेलना है, जो 11 जून से लॉर्ड्स में साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेला जाएगा. इसके बावजूद ये दोनों स्टार खिलाड़ी भारत आने के लिए तैयार हैं.

ऑस्ट्रेलिया ने डब्लूटीसी फाइनल और वेस्टइंडीज दौरे के लिए किया टीम का ऐलान

कैनबेरा. उधर आईपीएल 2025 का नया शेड्यूल लॉन्च हुआ और इधर ऑस्ट्रेलिया ने डब्लूटीसी फाइनल के लिए अपनी टीम का ऐलान कर दिया. ऑस्ट्रेलिया ने डब्लूटीसी फाइनल की टीम में 15 खिलाड़ियों को जगह दी है. डब्लूटीसी फाइनल के बाद यही 15 खिलाड़ी वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलने भी जाएंगे. मतलब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने सिर्फ डब्लूटीसी फाइनल ही नहीं बल्कि वेस्टइंडीज दौरे की भी टीम चुनी है.

डब्लूटीसी फाइनल 11 जून से लॉर्ड्स पर खेला जाना है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया का सामना साउथ अफ्रीका से होगा. इसके बाद ऑस्ट्रेलिया की टीम वेस्टइंडीज के लिए रवाना होगी, जहां उसे 25 जून से 3 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है. इन दोनों ही अहम अभियानों के लिए ऑस्ट्रेलिया के 15 सदस्यीय टीम की कमान पैट कमिंस के हाथों में है.

डब्लूटीसी फाइनल और वेस्टइंडीज दौरे के लिए टेस्ट टीम के ऐलान के बाद अब सवाल है कि क्या ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी आईपीएल 2025 में खेलेंगे? ऐसा इसलिए क्योंकि डब्लूटीसी फाइनल की शुरुआत 11 जून से हो रही है जबकि आईपीएल 2025 खत्म 3 जून को हो रहा है. हालांकि, ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में शामिल सिर्फ 15 ही खिलाड़ी ऐसे हैं, जो आईपीएल 2025 में खेल रहे हैं. उन खिलाड़ियों में कप्तान पैट कमिंस के अलावा, मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड और जोश इंग्लिस के नाम हैं. क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की बात करें तो उसने आईपीएल में खेलने और ना खेलने का फैसला खिलाड़ियों पर ही छोड़ा है. उसने कहा

'चीकू' से विराट बनने तक का सफर

कोच ने बताई अंदर की कहानी

नई दिल्ली. टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेकर दुनिया को चौकाने वाले टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज ने अपनी कड़ी मेहनत के दम पर वर्ल्ड क्रिकेट पर काफी सालों तक राज किया. भारत के इस पूर्व कप्तान का 'चीकू' नाम रखने वाले रणजी कोच ने एक एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में इस महान खिलाड़ी के शुरुआती क्रिकेट के बारे में खुलकर बातचीत की. उन्होंने बताया, कैसे एक दिल्ली के ज्यादा वजन वाले लड़के ने अपने खेल के दम पर पूरे विश्व क्रिकेट पर सालों तक राज किया'. अपने कोच और खिलाड़ियों के बीच 'चीकू' नाम से मशहूर विराट कोहली ने कैसे अपनी फिटनेस पर काम किया और पसंदीदा खानों से दूरी बनाई. इसका खुलासा उनके कोच ने किया है.

खेल के जुनून ने बनाया बड़ा खिलाड़ी

विराट कोहली के अंडर-17 और रणजी कोच अजीत चौधरी ने उन पहलूओं को साझा किया, जिसके बारे में आज तक किसी को पता नहीं है. अजीत चौधरी ने बताया, 'विराट के जुनून और खेल की प्रति लगन ने आज उसे टेस्ट क्रिकेट का एक महान खिलाड़ी बना दिया है'. उन्होंने बताया कि अंडर-15 में पहली बार जब विराट कोहली को खेलने का मौका मिला तो उन्होंने 78.00 की औसत में उस सीजन में 390 रन बनाए थे, जिसमें दो शतक भी शामिल थे. इसके बाद 2004 के अंत में कोहली को दिल्ली अंडर-17 टीम में 2004-2005 विजय मर्चेंट ट्रॉफी के लिए चुना गया था. उस समय टीम के कोच अजीत चौधरी ही थे.

विराट ने ठोका दोहरा शतक

अजीत चौधरी उस समय को याद करते हैं जब एक मोटा लड़का अपनी बल्लेबाजी के दम पर अंडर-17 की टीम में अपनी जगह पक्की कर ली थी. चौधरी ने बताया कि मैंने विराट को पहली बार 2005 में अंडर-17 टीम में कोचिंग दी थी. उस समय मैच नॉर्थ जोन स्तर पर खेले जाते थे. पंजाब के खिलाफ अपने पहले मैच में विराट ने पटियाला में 254 रनों की शानदार पारी खेलकर सबको चौंका दिया था. यह पारी उस समय आई थी जब दिल्ली की टीम 70 रन पर अपने 5 विकेट गंवा चुकी थी. यही नहीं विराट ने अपने बल्लेबाजी के दम पर कोलकाता में टीम को नॉकआउट के लिए क्वालीफाई करने में मदद भी की थी. इतना ही नहीं सेमीफाइनल मैच में बड़ौदा के खिलाफ 235 रनों की पारी खेली थी. अंडर-17 क्रिकेट के अपने पहले ही सीजन में कोहली ने चार मैचों में करीब 500 रन बनाए थे. इसमें दो दोहरे शतक शामिल थे.

इसके बाद 2007 में अजीत चौधरी को दिल्ली रणजी टीम का सहायक कोच बनाया गया. चौधरी ने बताया, 2007 में मुझे रणजी ट्रॉफी टीम का सहायक कोच नियुक्त किया गया था. विजय दहिया हेड कोच थे. हमने उस साल रणजी ट्रॉफी जीतने का लंबा इंतजार खत्म किया. हालांकि इस दौरान कोहली बहुत ज्यादा नहीं खेले क्योंकि उन्हें अंडर-19 टीम में दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए चुना गया था. चौधरी आगे कहते हैं, मुझे याद है कि बॉम्बे के खिलाफ़ एक मैच था. विराट उस मैच में 50 से ज्यादा रन बनाए थे. जिसकी वजह से उसे आगे बढ़ने का मौका मिल गया.

फिटनेस पर किया काम

बचपन में कोहली को देखकर अजीत चौधरी को यह मालूम हो गया कि यह लड़का एक दिन कुछ बड़ा करेगा, लेकिन उसकी फिटनेस ठीक नहीं थी. विराट कोहली को उत्तर भारतीय खाना बहुत पंसद था, लेकिन क्रिकेट में आगे बढ़ने के लिए कोहली ने अपने खाने पर कंट्रोल करना शुरू कर दिया. चौधरी ने बताया, जब विराट युवा थे, तो उन्हें फिटनेस की कोई समस्या नहीं थी, लेकिन वे बहुत फिट नहीं थे. जब वह टीम इंडिया में चुने गए तो उन्होंने फिटनेस का एक स्तर तय किया और उस पर काम करना शुरू कर दिया. आज जब लोग क्रिकेट में फिटनेस की बात करते हैं, तो विराट का उदाहरण देते हैं. उन्होंने जो फिटनेस हासिल की है, वह शानदार है. बता दें कोहली अपनी फिटनेस की वजह से ही 36 साल तक टेस्ट क्रिकेट खेलते रहे.

सर मैंने बढ़िया शॉट मारा, क्या आपने देखा?

चौधरी पुराने दिनों का याद करते हुए बताया, कोहली का क्रिकेट के प्रति जुनून उनके बचपन के दिनों से ही था. नेट सेशन के दौरान जब कोई कोचिंग स्टाफ उनकी ओर ध्यान नहीं देता था, तो वह परेशान हो जाता था. वह चाहता था कि कोचिंग स्टाफ उन पर ध्यान रखे. कभी-कभी वह इशारा करके कहता था, सर, मैंने बहुत बढ़िया शॉट मारा, क्या आपने देखा? तो मैंने कहा, हां, मैंने देखा. वह सभी सहयोगी स्टाफ, कोचों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करना चाहता था. अजीत चौधरी रणजी सीजन के बारे में भी बात की. उन्होंने बताया कि जब वीरेंद्र सहवाग, गौतम गंभीर, शिखर धवन, मिथुन मन्हास और रजत भाटिया जैसे दिग्गजों के रहने पर उसे टीम में जगह नहीं मिली तो वह परेशान हो गया था.

रणजी में नहीं खेलने पर उदास थे विराट

उन्होंने बताया, महाराष्ट्र में 2007 के सीजन के दौरान एक लगी मैच में सहवाग, गंभीर, मिथुन मिन्हास, रजत भाटिया और शिखर धवन सभी बड़े खिलाड़ी टीम का हिस्सा थे. इसलिए विराट को नहीं चुना गया. इसलिए, वह थोड़ा उदास थे और उन्होंने मुझसे बात की. मैंने उनसे कहा कि यह अंडर-17 क्रिकेट नहीं है. यहां बड़े खिलाड़ी खेलते हैं. अगर तुम्हे मौका मिल जाता है तो उसका लाभ उठाओ. अगले मैच में कर्नाटक के खिलाफ बेंगलुरु में विराट को खेलने का मौका मिल गया और उसने 180 रनों की शानदार पारी खेली थी.